हरिभूमि रायपुर भूमि

धधका रायपुर, 43 डिग्री का टार्चर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के मध्य क्षेत्र में आगामी तीन दिन भीषण गर्मी वाले रहेंगे। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार, मध्य क्षेत्र अर्थात रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में इस दौरान ग्रीष्म लहर चलने की आशंका है।

गुरुवार को रायपुर का अधिकतम तापमाल 43 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक है। इसी तरह न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक 27.9 डिग्री दर्ज हुआ। प्रदेश में सर्वाधिक गर्म राजनांदगांव रहा। यहां अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान ⏭शेष पेज 13 पर

चक्रवाती प्रभाव ने बढ़ाई गर्मी

मौसम विभाग ने हीट वेव से बचने के लिए सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। बच्चे-बुजुर्गों को आवश्यकता ना होने पर घर से नहीं निकलने की सलाह दी गई है। कामकाजी लोगों को भी पर्याप्त मात्रा में जल सेवन तथा धूप से बचने निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश और उसके आसपास 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका दक्षिण पूर्व राजस्थान से मणिपुर तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश से मन्नार की खाड़ी तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक प्रति चक्रवात कर्नाटक और उससे लगे महाराष्ट्र के ऊपर 3.1 किलोमीटर ⏭शेष पेज 13 पर

व्याकुलता का आखिरी दिन... खूब तपे बच्चे, अब कल से मिलेगी राहत

रायपुर। प्रदेश के समस्त शासकीय व निजी विद्यालयों में 20 अप्रैल से ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा कर दी गई है। इसके पहले छात्रों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को भी छात्रों को यह गर्मी बर्दाश्त करनी पड़ेगी। अर्थात आज इस तपिश का अंतिम दिन है। आरटीई फीस में वृद्धि नहीं किए जाने के विरोध में निजी स्कूल शनिवार को बंद रहेंगे। इस तरह से छात्र अब 16 जून को ही स्कूल आएंगे। इसके पहले तक छात्र विशेषकर छोटे बच्चे भीषण गर्मी का सामना करते नजर आए। गर्म थपेड़ों के बीच स्कूल पहुंचे पालक भी गर्मी से अपने बच्चों को बचाने कई तरह के जतन करते रहे। बड़े निजी विद्यालयों के कक्ष में एसी की व्यवस्था है, किंतु अपेक्षाकृत छोटे विद्यालयों में पंखे की गर्म हवा में छात्रों को पढ़ाई करनी पड़ी। स्वास्थ्य संबंधित शिकायतें भी स्कूल प्रबंधन तक पहुंची। हालांकि स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश पश्चात बच्चों सहित पालकों ने भी राहत की सांस ली है।

खबर संक्षेप

नारकोटिक्स ड्रग डिटेक्शन प्री-कर्सर डिटेक्शन किट पर कार्यशाला

रायपुर। नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने पीएचक्यू में गुरुवार को नारकोटिक्स ड्रग डिटेक्शन किट एवं प्री-कर्सर डिटेक्शन किट के उपयोग पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के संयुक्त संचालक डा. एचएस भावरा और वरिष्ठ वैज्ञानी अधिकारी डा. संदीप कुमार वैष्णव ने कार्यशाला के दौरान किट्स के उपयोग का लाइव डेमो दिया। उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार इन किट्स के माध्यम से ड्रग की सही जांच की जा सकती है और साक्ष्य को सुरक्षित रखा जा सकता है।

एडमिशन दिलाने के नाम पर सवा दो लाख ठगे

रायपुर। खम्हारडीह थाने में एक युवक ने एक व्यक्ति के खिलाफ एक निजी विश्वविद्यालय के एडमिशन इंचार्ज होने का झांसा देकर सवा दो लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अवंति विहार निवासी संजय श्रीवास्तव ने साजी के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। संजय ने पुलिस को बताया कि साजी ने उनके परिजनों को अपना परिचय एक यूनिवर्सिटी का एडमिशन इंचार्ज होने का झांसा देते हुए ठगी का शिकार बनाया। साजी ने संजय के छोटे भाई मनीष तथा उसके ममेरे भाई के साथ ठगी की है। घटना वर्ष 2025 की है।

सुबह, शाम जल आपूर्ति रही प्रभावित, टंकिया रहीं सूखी

इंटेकवेल के हेडर में ब्लास्ट फटी पाइप लाइन, बड़े इलाके में जल आपूर्ति ठप

गर्मी के सीजन में नल नहीं खुलने से लोग हलाकान, पार्षद से लेकर जल विभाग के अफसर के घनघनाते रहे फोन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गुरुवार को राजधानी के बड़े इलाके में नगर निगम की जल आपूर्ति ठप रही। नगर निगम की 29 पानी टंकियों में सुबह की पाली में जल आपूर्ति तरह ठप रही, पाइप लाइन मरम्मत कार्य के कारण शाम के समय भी जल आपूर्ति आंशिक रूप से प्रभावित रही। पानी टंकियां सूखी रहने की वजह से इसके विकल्प के रूप में निगम ने प्रभावित इलाकों में टैंकर से पानी भेजने की व्यवस्था भी नहीं की। इससे लोग बेहद परेशान रहे, गर्मी के सीजन में सुबह से बिना सूचना के जल आपूर्ति नहीं होने से लोगों में इस बात को लेकर खासी नाराजगी देखने को मिली। जल विभाग के अधिकारी का कहना है कि इंटेकवेल के हेडर में बुधवार देर रात जोर के ब्लास्ट के साथ पाइन लाइन फट गयी थी, इस वजह से 29 पानी टंकियों से निकासी नहीं हो सकी। ⏭शेष पेज 13 पर

ये टंकियां रहीं प्रभावित

चंगोराभाठा, सरोना, भाठागांव, डीडी नगर, ईदगाह भाठा पानी टंकी, रायपुरा, कुकरबेड़ा, टाटीबंध, कोटा, रामनगर पानी टंकी, कबीर नगर, जरवाय, गोगांव, मठपुरैना, लालपुर, देवपुरी, अमलीडीह, मंडी पानी टंकी, लालपुर, मोवा, सड्डू, दलदलसिवनी, आमासिवनी, कचना, जोरा, संजय नगर, देवेंद्र नगर नई पानी टंकी।

सप्ताह में दूसरी बार जल आपूर्ति प्रभावित बैकअप प्लान नहीं

रायपुर शहर में एक सप्ताह के भीतर यह दूसरा मौका है जब एक साथ कई टंकियों में जल आपूर्ति अचानक ठप रही। इससे शहर की एक बड़ी आबादी को पानी के लिए परेशान होना पड़ा। इससे पहले तेलीबांधा थाने के पास और पचपेड़ी नाका के पास राइजिंग लाइन मरम्मत के नाम पर पेयजल आपूर्ति ठप रही थी। निगम की इस व्यवस्था पर लोगों ने आक्रोश जताया है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने शहर की 29 पानी टंकियों से जल आपूर्ति पूरी तरह ठप होने पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि आपात स्थिति में शहर के प्रभावित इलाकों में पेयजल आपूर्ति के लिए नगर निगम के पास कोई बैकअप प्लान ही नहीं है। इसका खामियाजा राजधानी वासियों को आए दिन भुगतना पड़ता है।

जिनके खिलाफ चालान पेश किया गया, उनमें शशांक चोपड़ा के जीजा भी शामिल

छह सौ करोड़ का सीजीएमएससी घोटाला चार के खिलाफ कोर्ट में पूरक चालान पेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छह सौ करोड़ रुपए से ज्यादा के रीएजेंट घोटाला में ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम ने विशेष न्यायालय में घोटाला में शामिल चार आरोपियों के खिलाफ करीब साढ़े तीन हजार पन्नों का पूरक चालान पेश किया है। जिनके खिलाफ पूरक चालान पेश किया गया है, उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 409, 120 बी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत अपराध दर्ज है। जांच एजेंसी ने हरियाणा, पंचकुला स्थित रिकार्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अभिषेक कौशल, रायपुर स्थित श्री शारदा इंडस्ट्रीज के प्रोप्राईटर राकेश जैन, रिकार्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स प्रायवेट लिमिटेड के लाइजनर तथा शशांक चोपड़ा के जीजा प्रिंस जैन, नवी मुंबई स्थित डायसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मार्केटिंग हेड कुंजल शर्मा के खिलाफ पूरक चालान पेश किया है। जांच एजेंसी सीजीएमएससी घोटाला में शामिल अब तक 10 लोगों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर चुकी है।

अभिषेक कौशल

राकेश जैन

प्रिंस जैन

कुंजल शर्मा

पूल टेंडरिंग के माध्यम से निविदा हासिल

राज्य के आम जनता को निःशुल्क डायग्नोस्टिक जांच उपलब्ध कराने के लिए जिला अस्पतालों, एफआरयू, सीएचसी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र में "हमर लैब" योजना अंतर्गत क्रय किए जाने वाले मेडिकल उपकरण एवं रीएजेंट्स की निविदा प्रक्रिया में पूल टेंडरिंग के माध्यम से मोक्षित कॉर्पोरेशन पर निविदा हासिल करने का आरोप है। विवेचना में यह तथ्य सामने आया है कि शशांक चोपड़ा का जीजा प्रिंस रिकार्ड एंड मेडिकेयर सिस्टम्स के लिये लाइजनिंग का काम करता था।

चेन मजबूत करने मोक्षित को सहयोग

रिकार्ड्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स, श्री शारदा इंडस्ट्रीज ने भविष्य में सीजीएमएससी में अपनी सप्लाई चैन मजबूत करने के उद्देश्य से मोक्षित कॉर्पोरेशन को सहयोग किया। तीनों फर्मों के द्वारा अपनी अर्हता सुनिश्चित करने के लिये टेंडर की शर्तों के अनुसार वास्तविक क्षमता से पृथक उत्पादक क्षमता, सर्विस, मेंटेनेन्स एवं इंस्टॉलेशन के फर्जी दस्तावेजों को तैयार कर निविदा में उपयोग किया गया, जिसके लिये प्रिंस कोचर द्वारा समन्वय कार्य किया गया।

प्रतिस्पर्धी कंपनियों को साथ जोड़ा

जांच में सामने आया है कि निविदा प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने के उद्देश्य से कुछ फर्मों द्वारा आपसी समन्वय और कार्टेलाइजेशन किया गया। इस वजह से टेंडर में यही तीन फर्में शॉर्टलिस्ट हुई थीं, जिनकी वित्तीय दर खोली गई। तीनों पात्र फर्मों द्वारा भरे गए टेंडर में उत्पाद, पैक-साइज, रीएजेंट और कंज्यूमेबल्स का विवरण समान पैटर्न में भरा गया। जिन उत्पादों का नाम निविदा दस्तावेज में स्पष्ट रूप से अंकित नहीं था, उन्हें भी तीनों फर्मों द्वारा समान रूप से दर्शाया गया। दर भी समान पैटर्न में कोड किए गए, जिसमें सबसे कम दर मोक्षित द्वारा, उसके बाद आरएमएस तथा श्री शारदा इंडस्ट्रीज द्वारा कोड किया गया।

परीक्षा 11 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित

सहायक शिक्षक के 2292 पदों के लिए विज्ञापन जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। शासन द्वारा प्रदेश के विद्यालयों में सहायक शिक्षक, शिक्षक व व्याख्याता के 5 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की गई थी। इनमें से सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करते हुए प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है, जबकि शिक्षक और व्याख्याता पदों के लिए अभी इंतजार करना होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उक्त रिक्त पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं। इन पदों में से 795 पद ई-संवर्ग की शालाओं तथा 1497 पद टी-संवर्ग की शालाओं में भरे जाएंगे। ⏭शेष पेज 13 पर

व्याख्याता एवं शिक्षक भर्ती के लिए पृथक विज्ञापन

लोक शिक्षण संचालनालय के उपसंचालक अशोक नारायण बंजारा ने बताया, विस्तृत विज्ञापन छत्तीसगढ़ व्यापम की वेबसाइट एवं स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम भी व्यापम की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इन पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा किया जाएगा, ⏭शेष पेज 13 पर

इसी हफ्ते मंडल की दो ट्रेनों में शुरू होगी बेडरोल की सुविधा

इस हफ्ते से संपर्क क्रांति और अमरकंटक में घर से नहीं लाना होगा चादर-कंबल, 70 रुपए में मिलेगा बेडरोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्लीपर कोच में यात्रा करने वाले यात्रियों को अब घर से चादर और कंबल लेकर सफर करने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे प्रशासन अब एसी कोच की तर्ज पर स्लीपर में भी बेडरोल की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इसे लेकर रायपुर मंडल ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं और उम्मीद है कि इसी हफ्ते से यह सुविधा यात्रियों के लिए शुरू हो जाएगी। खास बात यह है कि स्लीपर कोच में दिए जाने वाले चादर, तकिया और कंबल बेहद अच्छी गुणवत्ता के होंगे। इनका रंग थर्ड एसी में मिलने वाले बेडरोल से अलग रखा गया है, ताकि चोरी होने या दोनों कोच के बेडरोल आपस में मिलने की आशंका न रहे। रेलवे ने इस सुविधा का संचालन करने के लिए एक एजेंसी के साथ 4 से 6 लाख रुपये में अनुबंध किया है। हरिभूमि की टीम ने रेलवे की इस नई सुविधा और तैयारियों का जायजा भी लिया। बता दें कि शुरुआती चरण में यह सुविधा रायपुर मंडल की दो प्रमुख ट्रेनों संपर्क क्रांति और अमरकंटक ⏭शेष पेज 13 पर

इस हफ्ते शुरू कर सकते हैं

स्लीपर कोच में बेडरोल के लिए कंपनी से अनुबंध हो चुका है। सबसे पहले दुर्ग-अंबिकापुर और संपर्क क्रांति में लागू किया गया है। तैयारी पूरी है। हम इस हफ्ते यह सुविधा यात्रियों के लिए शुरू कर सकते हैं।

- अवधेश कुमार त्रिवेदी, सीनियर डीसीएम रायपुर

सीटों को लेकर आ रही तकनीकी समस्या

हालांकि, कोच में बेडरोल रखने को लेकर फिलहाल एक तकनीकी समस्या बनी हुई है। रायपुर से ट्रेन के प्रस्थान के समय तो एजेंसी को बेडरोल रखने के लिए आसानी से दो सीटें मिल जा रही हैं, लेकिन वापसी के दौरान दिल्ली से संपर्क क्रांति और भोपाल से अमरकंटक के लौटते समय बेडरोल के लिए आरक्षित सीटें मिलने में दिक्कत आ रही है। रेलवे प्रशासन इस समस्या का ⏭शेष पेज 13 पर

मंडल के एक्सप्रेस ट्रेनों में लागू होगी सुविधा

रेलवे प्रशासन मंडल की ट्रेनों में इस सुविधा को लागू करेगा। पहले दो ट्रेनों में शुरू करने के बाद इसे 10 अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों में इसे लागू किया जाएगा।इसमें दुर्ग-निजामुद्दीन संपर्क क्रांति, दुर्ग-उधमपुर, निजामुद्दीन-दुर्ग, उधमपुर-दुर्ग, दुर्ग- उधमपुर, दुर्ग-अजमेर, अजमेर- दुर्ग, दुर्ग-अजमेर, अजमेर-दुर्ग, दुर्ग-भोपाल अमरकंटक, भोपाल-दुर्ग अमरकंटक, दुर्ग नौतनवा, नौतनवा-दुर्ग, दुर्ग-बेतवा, बेतवा-दुर्ग एक्सप्रेस, दुर्ग-नौतनवा ⏭शेष पेज 13 पर

खबर संक्षेप

श्रमिकों को शोषण, कोंगेस आंदोलन की तैयारी में

रायपुर। धरसीवा एवं उरला औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हजारों मजदूर आज अपने ही हक के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। क्षेत्र के विभिन्न उद्योगों में मजदूरों का खुलेआम शोषण किया जा रहा है, जहां उन्हें न तो शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी (Minimum Wages) दी जा रही है और न ही तय समय सीमा के अनुसार कार्य कराया जा रहा है। कई उद्योगों में मजदूरों से 10-12 घंटे तक काम लिया जा रहा है, लेकिन उसके अनुरूप न तो ओवरटाइम दिया जा रहा है और न ही किसी प्रकार की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। भावेश बघेल ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि छत्तीसगढ़ जैसे श्रमिक बहुल प्रदेश में मजदूरों के साथ इस प्रकार का अन्याय हो रहा है। उद्योग प्रबंधन द्वारा ठेका प्रथा के नाम पर मजदूरों का शोषण किया जा रहा है, जिससे वे न तो स्थायी लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं और न ही उन्हें किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा मिल रही है।

बैंक फाड पर फिर आंदोलन की तैयारी

कूंरा ।बैंक को पुनः की जाएगी बंद आईडीबीआई बैंक फ्राड मामले में प्रभावित लोगों शांत नहीं बैठेंगे जिस प्रकार बैंक द्वारा आर्डिट जांच के नाम पर बैंक खोलने में मदद किए है आर्डिट अधिकारियों द्वारा प्रभावितों से पूरी जानकारी प्राप्त किए है प्रभावितों द्वारा मदद भी किए है इस उम्मीद से कि हमे रकम वापसी हो जाएगी ।

आंबा में अन्नप्राशन, गोद भराई व विद्यारंभ कार्यक्रम

आरंग। रानी दुर्गावती वार्ड के आंगनबाड़ी केंद्र महामाया प्रथम में आज पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत अन्नप्राशन, गोद भराई एवं विद्यारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वार्ड पार्षद खुशबू राकेश शर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

औद्योगिक प्रदूषण से नरक हो गई जिंदगी फिर भी कार्रवाई को ठेंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

औद्योगिक विकास की चकाचौंध के पीछे धरसींवा और सिलतरा क्षेत्र में एक ऐसा खौफनाक मंजर पनप रहा है, जो किसी भी संवेदनशील हृदय को झकझोरने के लिए पर्याप्त है। ग्राम पंचायत रैता सहित आसपास के उद्योगों में आज जो हालात हैं, वे विकास नहीं बल्कि विनाश की इबारत लिख रहे हैं। लोहे और रसायनों की विशालकाय भट्टियों के बीच काम करने वाले मजदूरों की स्थिति इस कदर बदतर हो चुकी है कि दिन ढलते-ढलते वे अपनी पहचान तक खो देते हैं। पूरे शरीर पर जमी कालिख और फेफड़ों में पैठ जमाती जहरीली धूल इन कामगारों की नियति बन चुकी है, जबकि सुरक्षा के तमाम दावे सिर्फ सरकारी फाइलों और उद्योगपतियों के रद्दी कागजों तक ही सिमट कर रह गए हैं।

सुरक्षा नियमों की अनदेखी और प्रदूषण है बेहाल

दमघोंटू हवा और उड़ती राख से फैल रही बीमारी, खराब हो रही फसलें

रसूख की ओट में सिसकता मजदूर

क्षेत्र में हुए दर्जनों छोटे-बड़े हादसों ने कई घरों के चिराग बुझा दिए, लेकिन इन दर्दनाक मौतों से उद्योगपतियों ने कोई सबक नहीं लिया। जब भी जांच या कार्रवाई की सुगबुगाहट होती है, रसूखदार उद्योगपति अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए राजनीति की ओट लेने लगते हैं। सूत्रों के अनुसार, किसी भी विभागीय पूछताछ से पहले ही नामचीन राजनेताओं के फोन अधिकारियों के पास पहुंचने लगते हैं। यह रसूख ही है जो मजदूरों के खून से हाथ रंगने वालों को कानून की गिरफ्त से बचाए हुए है। रात के अंधेरे में चिमनियों से बिना फिल्टर किए छोड़ी जाने वाली जहरीली गैसें पूरे इलाके को राख की चादर में लपेट देती हैं। 12-12 घंटे की कमरतोड़ शिफ्ट के बाद जब मजदूर बाहर निकलते हैं, तो वे केवल एक इंसानी ढांचा मात्र नजर आते हैं।

जिंदगी: हैरानी की बात यह है कि जिन कार्यक्षेत्रों में हेलमेट, चश्मा और दस्ताने अनिवार्य होने चाहिए, वहां इनका नामोनिशान तक नहीं है। कारखानों के गेट पर नियमों की सूचियां तो गायब हैं ही, प्रबंधन ने बुनियादी सुरक्षा संकेतों को भी गैर-जरूरी समझ लिया है। विशेषकर रैता स्थित फैक्ट्रियों में प्रदूषण का स्तर उस चरम पर पहुंच चुका है, जहां एक स्वस्थ इंसान का चंद मिनट खड़ा होना भी दूभर है। दमघोंटू हवा और उड़ती राख के बीच ये मजदूर चंद रुपयों की खातिर अपने फेफड़ों को गलाने पर मजबूर हैं। ये उद्योग अब 'डेथ ट्रैप' में तब्दील हो चुके हैं, जहां हर पल मजदूरों के सिर पर मौत की नंगी तलवार लटकती रहती है।

सुरक्षा मानकों की केवल खानापूर्ति : फैक्ट्री के भीतर सुरक्षा मानकों की केवल खानापूर्ति की जाती है। प्राथमिक उपचार पेटियां खाली पड़ी हैं और उच्च तापमान वाली भट्टियों के पास काम करने वालों को न तो गमबूट मिलते हैं और न ही विशेष जैकेट।

स्टील एंड पावर कम्पनी की स्थापना के लिए दिए एनओसी पर बिफरे पंचों ने लाया था अविश्वास प्रस्ताव

देवरी सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान टला, मिला स्टे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

तिल्दा विकासखंड के ग्राम देवरी में सरपंच के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर होने वाला मतदान ऐन वक्त पर रुक गया। गुरुवार को मतदान शुरू होने के ठीक आधे घंटे पहले सरपंच द्वारा प्रस्तुत किए गए हाईकोर्ट के स्टे आदेश के बाद पूरी प्रक्रिया स्थगित कर दी गई, जिससे गांव की राजनीति में नया मोड़ आ गया है।

तिल्दा देवरी के लोग महिला सरपंच के क्रियाकलापों से काफी नाराज चल रहे हैं. एक साल पहले जब पंचायत का चुनाव हुआ था तो ग्रामीणों ने उसे भारी बहुमत से चुनाव में जीत दिलाई थी। और सब कुछ ठीक-ठाक भी चल रहा था । लेकिन गांव में प्रस्तावित अग्रसेन स्टील एंड पावर कम्पनी ने शांत माहौल को एक प्रकार से अशांत बिगाड़]कर रख दिया । दर असल यहां गाव की चारागाह की जमीन को सरकार ने कंपनी को दे दिया और जनसुनवाई की तारीख मुकर्रर कर दी। जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को हुई तो विरोध शुरू हुआ। और एक राय होकर ग्रामीणों ने अपना फैसला एसडीएम से लेकर कलेक्टर को सुना दिया कि यहां फैक्ट्री नहीं लगने देंगे। लेकिन नया मोड़ जब जब 13 पचों वाली ग्राम पंचायत के सरपंच दिव्या वर्मा ने पंचों को बिना विश्वास में लिए सचिन के साथ मिलकर कंपनी के नाम एनओसी जारी कर दी। जिसके विरोध में 10 पंचो ने हस्ताक्षर कर सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का ज्ञापन तैयार कर एसडीएम के दफ्तर में जमा कर दिया।

उधर शासन ने ग्रामीणों के बढ़ते विरोध को देखते हुए बीते 8 अप्रैल को प्रस्तावित जनसुनवाई को रद्द कर दी। दूसरी तरफ एसडीएम ने सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए दिए गए ज्ञापन पर गुरुवार 16 फरवरी का दिन चुनाव के लिए तय कर दिया। मतदान प्रक्रिया के आधे घंटे पहले सरपंच ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के द्वारा दिए गए स्टे की कॉपी को लाकर अधिकारी को सौंप दिया। इसके बाद अविश्वास प्रस्ताव पर होने वाले चुनाव प्रक्रिया को रोक दी गई।

सरपंच को न्यायालय से राहत तो मिल गई लेकिन गांव में सरपंच के प्रति लोगो में जो गुस्सा भड़का है वह पूरी तरह से शांत नहीं हो पाया है। इसका कारण यह भी है कि सरपंच अब ग्रामीणों को परेशान करने में लग गए हैं। सरपंच ने थाने में एक आवेदन देकर ग्रामीणों के आक्रोश को और भी बढ़ा दिया है। सरपंच और उनके परिवार ने आरोप लगाया है कि ग्रामीणों ने उनकी अपनी पौनी पसारी बंद कर दी है। इस आरोप को ग्रामीणों झूठा बताया। सरपंच के द्वारा ग्राम सभा और पंचों के विरोध के बावजूद कंपनी को दिए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र से शुरू हुआ विवाद अब एक दूसरे पर झूठे आरोप लगाने तक पहुंच गया है।

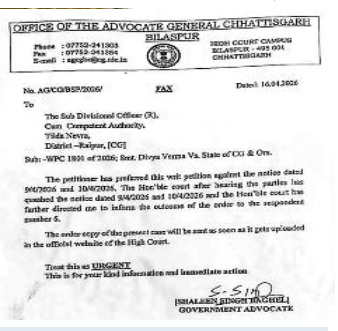

OFFICE OF THE ADVOCATE GENERAL CHHATTISGARH
BILASPUR
HIGH COURT CAMPUS BILASPUR - 495 001 CHHATTISGARH
No. AG/CG/BSP/2026/ FAX Dated: 16.04.2026
To
The Sub Divisional Officer (R),
Cum Competent Authority,
Tilda Nevra,
District –Raipur, [CG]
Sub: -WPC 1800 of 2026; Smt. Divya Verma Vs. State of CG & Ors.
The petitioner has preferred this writ petition against the notice dated 9/4/2026 and 10/4/2026. The Hon'ble court after hearing the parties has quashed the notice dated 9/4/2026 and 10/4/2026 and the Hon'ble court has further directed me to inform the outcome of the order to the respondent number 5.
The order copy of the present case will be sent as soon as it gets uploaded in the official website of the High Court.
Treat this as URGENT
This is for your kind information and immediate action
(SHAILESH SINGH BAGHEL)
GOVERNMENT ADVOCATE

शिकायत मिली है

तिल्दा नेवरा थाना की निरीक्षक रमाकांत तिवारी ने बताया कि सरपंच ने ग्रामीणों के विरुद्ध एक आवेदन दिया है जिसकी हम जांच कर रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि गांव में शांति है किसी प्रकार का कोई तनाव ग्रामीण और सरपंच के बीच नहीं है फिर भी हमारी नजर गांव पर लगी हुई है।

केन्द्री क्रॉसिंग के लिए पुर्व मंत्री ने गांव छोडा, निर्माण होने पर ग्रामीणों ने किया सम्मान

अभनपुर। अभनपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग ग्राम केन्द्री के समीप रोड क्रासिंग निर्माण की मांग आम लोगों द्वारा किया जा रहा था। पूर्व मंत्री चन्द्रशेखर साहू को भी इस परेशानी से अवगत कराया गया था जिस पर उन्होने ग्रामवासियों के सामने संकल्प लिया था कि जब तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोड क्रासिंग नहीं बनता तब तक ग्राम केन्द्री में कदम नहीं रखेंगे। उन्होने इस संबंध में लगातार संबंधित विभाग से चर्चा कर क्रासिंग निर्माण के लिए प्रयास किया जा रहा था। ग्राम केन्द्री के पास रोड क्रासिंग का निर्माण पुर्ण होने पर ग्रामवासियों द्वारा उनका सम्मान समारोह आयोजित कर उनका सम्मान किया गया। विदित हो कि उक्त क्रासिंग निर्माण से ग्राम केन्द्री सिंगारभाठा, सलोनी, सिवनी, उपरवारा आदि दर्जनो गांव के ग्रामवासियों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा। अभी तक आम जनता को या गलत दिशा में लगभग 2 किलोमीटर जाना पड़ता था जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। सम्मान समारोह के अवसर पर पूर्व मंत्री चन्द्रशेखर साहू ने कहा कि इस गांव के आस-पास राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान व कई गांवों का रोड पार कर आना जाना रहता है राष्ट्रीय राजमार्ग पर अन्य स्थानों पर भी क्रासिंग बनाया गया है जिसकी यहां पर भी अत्यंत आवश्यकता थी इसी विचार के साथ हमने संकल्प लेकर ग्रामवासियों के सामने घोषणा की थी यह कोई पूर्व नियोजित विचार नहीं था। हमारी सरकार होने के कारण रोड क्रासिंग को त्वरित बना दिया है, मोदी है तो मुमकिन है यह विश्वास और भी मजबुत हुआ है। इस अवसर पर विधायक इन्द्रकुमार साहू द्वारा भी पूर्व मंत्री का सम्मान किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी युवराज सिन्हा, विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक अनिल अग्रवाल, सरपंच नेतराम साहू, मंडल अध्यक्ष भरत बैस, सोसायटी अध्यक्ष राजु तारवानी, जनपद सभापति संतराम साहू, राघवेन्द्र साहू, सुरज साहू, गौरव शर्मा, ज्ञानप्रकाश चन्द्राकर, वीरेन्द्र साहू, ललित साहू, गोविन्द साहू, बलभद्र सिन्हा, संतोष साहू, लक्ष्मण साहू, मधुलाल साहू, सुरेश सेन, भारत साहू, हेमलाल साहू, आनंद साहू, बिसहत साहू, टेकराम साहू आदि बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शिवांश स्कूल के छात्रों ने किया कमाल

धरसींवा। नगर पंचायत कुँवरगढ़ कुंरा स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान शिवांश इंटरनेशनल स्कूल ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणामों में विद्यालय के विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक सफलता अर्जित करते हुए संस्था और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्ष और उल्लास का माहौल छा गया, जहाँ विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का संगम अंकों के रूप में स्पष्ट दिखाई दिया।

परीक्षा में रवि कुमार ने अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय देते हुए 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। दिव्यांश जैन ने 88.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया, जबकि नमन वर्मा 85.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रहे। सफलता का यह क्रम यहीं नहीं रुका; आयुष दुबे ने 82.4 प्रतिशत अंकों के साथ चतुर्थ और शिवम प्रजापति ने 81.2 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवां स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इनके साथ ही ग्रेसी वर्मा ने 80.8 प्रतिशत और श्रुति नायक ने 80.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की श्रेष्ठता को और सुदृढ़ किया। विद्यालय का समग्र परिणाम भी अत्यंत उत्साहजनक रहा है, जिसमें अधिकांश छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर अपनी शैक्षणिक क्षमता का प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्या सुश्री हिमांशी शर्मा जी ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह सफलता केवल अंकों का आंकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों के अनवरत परिश्रम, धैर्य और अनुशासन का प्रतिफल है।

प्रगतिशील सतनामी समाज का अमर दास बने अध्यक्ष

मंदिर हसौद। बाराडेरा धाम में गुरु घासीदास बाबा जी का पूजा अर्चना कर बैठक का कार्यक्रम प्रारंभ किये जिसमें आरंग ब्लॉक और धरसीवा ब्लॉक का बैठक रखा गया था । जिसमें धरसीवा ब्लॉक से मनोनयन अमर दास टंडन ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया और बहुत जल्द ही आरंग ब्लॉक का अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश प्रतिनिधि गुलाब दास टंडन जी, वरिष्ठ अश्वनी बबलू त्रिवेंद्र जी, रायपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष रमेश बंजारे जी, युवा प्रकोष्ठ के महासचिव अशोक बंजारे जी, प्रदेश कार्यकारिणी संतोष कोसरिया जी, आजीवन सदस्य अंजीत सायतोड़े आजीवन सदस्य रंजीत गायकवाड जी, एग्रीकल्चर के बंजारे सर राजू सायतोड़े, ओमकार गहरे, राजेश मनहर, प्रांजल रात्रे, रोशन कुमार बारले, आदि उपस्थित थे।

आर्द्रभूमि और पक्षी संरक्षण के लिए गोढ़ी में जुटी पांच पंचायतें

धरसींवा। जनपद पंचायत धरसींवा क्षेत्र के ग्रामीण में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को लेकर एक नई मुहिम की शुरुआत हुई है। बुधवार को गोढ़ी ग्राम पंचायत में जिला पंचायत रायपुर और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी के साझा प्रयास से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। /"रायपुर पक्षी रहवास ग्राम पंचायत समूह के आर्द्रभूमि संरक्षण एवं आर्द्रभूमि-आधारित आजीविका 2026/" विषय पर केंद्रित इस बैठक में पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका को प्रकृति से जोड़ने पर गंभीर मंथन किया गया। इस दौरान मांढर, बरबंदा, टोर, गोढ़ी-2 और नगरगाँव-अकोली जैसी प्रमुख पंचायतों के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर जल स्रोतों और पक्षियों के प्राकृतिक आवास को संरक्षित करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. मनजीत कौर बल ने आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये जल संरचनाएं न केवल भूजल स्तर को सुधारती हैं, बल्कि जैव विविधता का आधार भी हैं। उन्होंने बताया कि चयनित पांचों पंचायतों में पक्षी आवासों को विकसित करने की अपार संभावनाएं हैं, जिससे भविष्य में पर्यावरण पर्यटन के अवसर भी खुल सकते हैं। वहीं, पक्षी विशेषज्ञ श्री जागेश्वर वर्मा ने स्थानीय पक्षियों की प्रजातियों और उनके संरक्षण की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया।

तिल्दा में कैंप लगाकर वाहनों की चेकिंग की

तिल्दा-नेवरा। तिल्दा-नेवरा-शहर की कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने, सड़क हादसों पर नियंत्रण लगाने और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से तिल्दा-नेवरा पुलिस ने गुरुवार शाम दीनदयाल चौक पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने एक घंटे से अधिक समय तक चौक पर कैम्प लगाकर हर आने-जाने वाले वाहनों की जांच की।

तिल्दा-नेवरा में यह पहला मौका रहा जब इस तरह से व्यवस्थित और लंबे समय तक चलने वाला चेकिंग अभियान दीनदयाल चौक पर संचालित किया गया। चौक पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी देखकर शुरू में लोगों में हल्की दहशत का माहौल बन गया और किसी अप्रिय घटना की आशंका जताई गई, लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि यह नियमित जांच अभियान का हिस्सा है।

चेकिंग के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक रमाकांत तिवारी एवं उप निरीक्षक विकास देशमुख अपनी टीम के साथ स्वयं मौके पर मौजूद रहकर वाहनों की जांच करते नजर आए। थाना प्रभारी रमाकांत तिवारी ने बताया कि तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें।

सौर सुजला योजना बंद, 50 हजार आवेदन पेंडिंग, अब पीएम कुसुम योजना में ही लगेंगे सोलर कृषि पंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के किसानों को कृषि के लिए सोलर पंप भी लगाने की भाजपा सरकार में 2016 में प्रारंभ की गई सौर सुजला योजना अब बंद हो गई है। इसके स्थान पर अब केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में किसानों को सोलर पंप लगाकर दिए जाएंगे। इसके लिए क्रेडा ने प्रदेश सरकार के माध्यम से नए सत्र के लिए केंद्र सरकार के पास प्रदेश के किसानों के खेतों में प्रधानमंत्री कुसुम योजना में 25 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा है।

वहां से प्रस्ताव की मंजूरी के बाद क्रेडा खेतों में पंप लगाने का काम प्रारंभ करेगा। प्रदेश में अब तक एक लाख साठ हजार सोलर पंप लग चुके हैं। अंतिम साल में योजना को बंद करने के कारण महज सात हजार पंप लग पाए हैं। इस समय क्रेडा के पास करीब 50 हजार आवेदन पेंडिंग है। इन आवेदनों का निराकरण केंद्र सरकार से मंजूरी के बाद ही होगा। प्रदेश में किसान खेती के लिए कृषि पंप लगाने का काम करते हैं। ज्यादातर कृषि पंप तो बिजली से चलने वाले लगाए जाते हैं। लेकिन प्रदेश में कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर बिजली की सुविधा न होने पर या किसानों के खेतों के पास बिजली के ट्रांसफार्मर और खंभे न होने के कारण कृषि पंप लगाने के लिए करीब दस साल पहले प्रदेश में भाजपा की रमन सरकार के समय सौर सुजला योजना राज्य स्थापना दिवस पर एक नवंबर 2016 को प्रारंभ की गई थी। तब सौर सुजला योजना के माध्यम से सोलर कृषि पंप लगाने का काम किया गया। उसी समय प्रदेश में बहुत ज्यादा सोलर कृषि पंप लगाए गए।

नए सत्र में प्रदेश में 25 हजार पंप लगाने का केंद्र सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

प्रस्ताव भेजा है

केंद्र सरकार को पीएम कुसुम योजना में प्रदेश में 25 हजार सोलर कृषि पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलने पर नए सत्र में पंप लगाने का काम प्रारंभ होगा।

- भूपेंद्र सवन्नी
अध्यक्ष, क्रेडा

हर साल लगे 20 हजार पंप

राज्य सरकार ने चूंकि इस योजना का प्रारंभ एक नवंबर 2016 को किया था, इसलिए पहले साल 2016-17 में महज 12 हजार सोलर पंप किसानों के खेतों में लगाए गए। इसके बाद से हर साल प्रदेश सरकार ने 20 हजार के आस-पास सोलर पंप लगाने का काम किया। 2025-26 के लिए भी वैसे तो 20 हजार सोलर पंप लगाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इस बीच फैसला किया गया कि अब केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में ही कृषि के लिए सोलर पंप लगाने का काम होगा, इसलिए राज्य सरकार की योजना में महज सात हजार पंप ही लग पाए हैं।

अब केंद्र सरकार की योजना में लगेंगे

अब किसानों को सोलर पंप केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में लगाकर दिए जाएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार के पास 25 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलने पर पंप लगाए जाएंगे। इस योजना में भी किसानों को सब्सिडी मिलेगी। लेकिन अभी तय नहीं है कि इसमें सब्सिडी कितनी मिलेगी। राज्य सरकार की योजना में महज 10 से 20 हजार में पंप लग जाते थे। क्रेडा के अधिकारियों के मुताबिक अब तो सोलर पंप लगाने की लागत कम हो गई है। इस समय तीन एचपी के लिए करीब ढाई लाख और पांच एचपी के लिए तीन लाख दस हजार में लगते हैं। टेंडर के बाद यह लागत और कम हो सकती है।

खबर संक्षेप

23 गांव में नई प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का पुनर्गठन

रायपुर। सहकारिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए रायपुर जिले में 23 नवीन प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पीएसीएस) का पुनर्गठन किया गया है। इन नवीन समितियों का गठन कुकेरा, पथरी, मांढर, पवनी, परसतराई, मालीडीह, बोहारडीह, बनरसी, चरौदा, सेजा, बकतरा, हसदा, उमारपोटी, भरेंगा, अकोलीकला, अमेठी, तोडगांव, समोदा, भुरसुदा, भूमिया, मुनगी एवं तुलसी में हुआ है।

कांग्रेस का जनहित के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं : ठोकने

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा, छत्तीसगढ़ की जनता के हितों से पूरी तरह कट चुकी कांग्रेस अब केवल कागजों और सोशल मीडिया पर अपनी प्रासंगिकता खोजने की असफल कोशिश कर रही है। श्री ठोकने ने कहा, छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छात्र-छात्राओं के हित में दोपहर 2:40 बजे अपने आधिकारिक हैंडल से स्कूलों में 20 अप्रैल से ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा कर दी थी, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि इसके करीब डेढ़ घंटे बाद, शाम 4:05 बजे, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज उसी भीषण गर्मी का हवाला देते हुए स्कूलों में छुट्टी की मांग कर रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन विधेयक से देश में खुशी : बजाज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा, इस विधेयक के पेश होने से देशभर में खुशी का माहौल है। श्री बजाज ने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि बिना किंतु परंतु के इस बिल का समर्थन करें। नारी शक्ति वंदन विधेयक सर्वसम्मति से पारित होना नए भारत की ऐतिहासिक घटना होगी तथा इससे संसद का गौरव बढ़ेगा।

आईपीएस विकास कुमार एनआईए में बनाए गए एसपी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर कमिश्नरेट में डीसीपी (ट्रैफिक-प्रोटोकॉल) के पद पर तैनात 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी विकास कुमार को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर एनआईए में पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को औपचारिक पत्र जारी कर दिया है।

जिलों में प्रभारी महामंत्री नहीं, कार्यालय प्रभारी बनाए जाएंगे

छत्तीसगढ़ कांग्रेस जिला अध्यक्षों को कार्यकारिणी बनाने 21 तक मोहलत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एआईसीसी से कार्यकारिणी के लिए 31 सदस्यों की मिली अनुमति, बड़े जिलों में 51 की मांग

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत जिलों में अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के तीन माह के अंदर कार्यकारिणी तैयार करने के निर्देश जारी किए गए थे। प्रदेश के 41 संगठन जिलों में 35 ने अपनी कार्यकारिणी की सूची पीसीसी को सौंप दी थी। रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर के शहर व ग्रामीण जिला कांग्रेस की कार्यकारिणी नहीं बन पाई थी। उन्हें 15 अप्रैल तक सूची जारी करने कहा गया था। अंतिम तारीख बीतने के बाद इनकी कार्यकारिणी नहीं बन पाई, अब उन्हें 21 अप्रैल तक कार्यकारिणी तैयार कर जमा करने कहा गया है।

बताया गया है कि प्रदेश संगठन के तहत 80 प्रतिशत से अधिक काम हो गया है, आने वाले दो तीन दिनों में शेष कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।

कार्यकारिणी गठन पर ये पेंच

बताया जा रहा है कि जिला कार्यकारिणी के गठन में एआईसीसी के निर्देशानुसार केवल 31 ही सदस्यों की अनुमति मिली है, जिसके चलते ही कार्यकारिणी गठन में लेटलतीफी सामने आ रही है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष और स्थानीय वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि बड़े विधानसभा वाले जिलों में सिर्फ 31 सदस्यों की कार्यकारिणी गठन करना मुश्किल है। संगठन के नेताओं में इससे नाराजगी बढ़ेगी, इसलिए लगभग आधा दर्जन जिलों में कार्यकारिणी गठन को रोककर रखा गया है। चर्चा इस बात को लेकर भी है कि कई जिलों में कार्यकारिणी गठन का पेंच स्थानीय वरिष्ठ नेताओं के खींचतान की वजह से भी फंसा हुआ है। एआईसीसी ने जिला कार्यकारिणी गठन की संख्या 51 से घटाकर 31 सदस्यों तक सीमित कर दी है।

जिलों में नहीं होंगे प्रभारी महामंत्री के पद

पीसीसी के जिलों में प्रभारी महामंत्री के पद को कार्यालय प्रभारी पद किए जाने के निर्देश के बाद जिला अध्यक्षों में नाराजगी उभरकर सामने आई है। बताया गया कि कंग्रेस के अधिकांश जिलों में पदाधिकारियों की नियुक्ति पूरी हो चुकी है। परंपरागत रूप से जिलों में महामंत्रियों में से एक की प्रभारी महामंत्री बनाया जाता रहा है, ताकि अध्यक्ष की अनुपस्थिति में संगठन का कामकाज सुचारू रूप से चलता रहे। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह ने सभी जिलों को पत्र जारी कर प्रभारी महामंत्री के स्थान पर कार्यालय प्रभारी बनाने के निर्देश दिए हैं।

कई जिला अध्यक्षों ने किया विरोध

इस निर्देश पर कई जिला अध्यक्षों ने आपत्ति जताई है और अलग-अलग स्तर पर विरोध भी दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि दुर्ग, और रायपुर संभाग के दो-तीन जिला अध्यक्षों ने इस सिलसिले में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व सीएम भूपेश बघेल से मिलकर शिकायत भी की है। ब्लॉक स्तर की नियुक्तियों को लेकर भी जिला अध्यक्षों में असंतोष बना हुआ है। बताया जा रहा है कि कुछ बिंदुओं पर पहले भी शिकायतें की जा चुकी हैं और जब जल्द ही सचिन पायलट से मुलाकात कर कई मुद्दों पर सामूहिक रूप से बात रखी जा सकती है।

प्रभारी महामंत्री का कोई अधिकृत पद नहीं- गेंदू

मलकीत सिंह गेंदू ने कहा कि जिलों में प्रभारी महामंत्री का कोई अधिकृत पद नहीं होता, और गलत तरीके से प्रभार दिए जा रहे थे, इसे दुरुस्त करते हुए कार्यालय प्रभारी बनाने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर उन्हें कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

डेला रेसकोर्स एंड इंटरनेशनल पोलो क्लब प्रोजेक्ट पर रेरा की रोक

बिना पंजीयन किया जा रहा था प्रचार

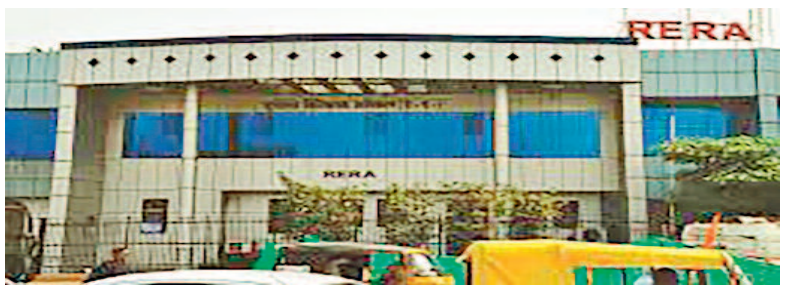

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (सीजीरेरा) ने बिना पंजीकरण रियल एस्टेट परियोजना के प्रचार-प्रसार के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए डेला रेसकोर्स एंड इंटरनेशनल पोलो क्लब परियोजना पर क्रय-विक्रय एवं पंजीयन पर अंतरिम (प्रारंभिक) रोक लगा दी है। प्राधिकरण द्वारा प्रकरण क्रमांक एसएम-यूआरपी-2026-03599 में संज्ञान लेते हुए पाया गया, नया रायपुर के सेक्टर-37 स्थित लगभग 55 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित उक्त परियोजना के प्रमोटर द्वारा रेरा अधिनियम, 2016 की धारा 3 का उल्लंघन किया गया है।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित प्रमोटर ने बिना रेरा पंजीकरण प्राप्त किए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर परियोजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया और आम नागरिकों को बुकिंग के लिए आमंत्रित किया। यह कृत्य अधिनियम के स्पष्ट प्रावधानों के विपरीत है, जिसके अनुसार बिना पंजीकरण किसी भी रियल एस्टेट परियोजना का विज्ञापन, विपणन या विक्रय प्रतिबंधित है। रेरा द्वारा नियमित निगरानी के दौरान उक्त विज्ञापन संज्ञान में आने पर प्रकरण दर्ज किया गया। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया उल्लंघन प्रमाणित पाए जाने पर प्राधिकरण ने अपने वैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए परियोजना से संबंधित सभी प्रकार के भूखंड, मकान एवं इकाइयों के क्रय-विक्रय और पंजीयन पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश जारी किया है। इस संबंध में जिला पंजीयक एवं उप-पंजीयक, रायपुर को निर्देशित किया गया है कि उक्त परियोजना से जुड़े किसी भी विक्रय विलेख का पंजीयन आगामी आदेश तक स्वीकार न किया जाए और आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। प्राधिकरण ने आम नागरिकों को सलाह दी है कि किसी भी रियल एस्टेट परियोजना में निवेश करने से पहले उसकी रेरा पंजीयन स्थिति की जांच अवश्य करें, ताकि किसी भी प्रकार के वित्तीय या कानूनी जोखिम से बचा जा सके।

एमपी से छत्तीसगढ़ को मिले 2000 करोड़ हकदार बनकर सामने आए पेंशनर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- 88 माह का डीआर एरियर्स भुगतान कर अंतरिम राहत दे सरकार

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के बीच लंबित लगभग साढ़े 10 हजार करोड़ रुपये की वसूली राशि को लेकर पेंशनरों ने अपनी मांग तेज कर दी है। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ ने कहा, यह राशि मूलतः पेंशनरों के अधिकार की है। अतः इसका उपयोग प्राथमिकता के आधार पर करते हुए 88 माह से लंबित महंगाई राहत एरियर्स का भुगतान किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश से वसूली में प्राप्त 2000 करोड़ की राशि को राज्य में डीआर एरियर के रूप में पेंशनरों को तुरंत अंतरिम राहत देकर भुगतान करने की मांग की है।

महासंघ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव एवं प्रदेश महामंत्री प्रवीण कुमार त्रिवेदी ने जारी बयान में कहा, बढ़ती महंगाई के इस दौर में पेंशनरों की आर्थिक स्थिति लगातार प्रभावित हो रही है। ऐसे में वर्षों से लंबित डीआर एरियर का भुगतान न होना अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि मध्यप्रदेश से वसूली की जा रही बड़ी राशि का उपयोग पेंशनरों के हित में किया जाए, तो लाखों वरिष्ठ नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें वास्तविक राहत मिल सकेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मध्यप्रदेश से प्राप्त होने वाली राशि की शीघ्र वसूली सुनिश्चित कर उसे पेंशनरों के लंबित 88 माह के डीआर एरियर भुगतान में उपयोग किया जाए, ताकि उन्हें उनका वास्तविक हक मिल सके और महंगाई के इस कठिन समय में राहत प्रदान की जा सके।

जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाए

महासंघ ने यह भी आरोप लगाया कि इतनी बड़ी वित्तीय चूक के बावजूद अब तक जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। केवल बैंक को जिम्मेदार ठहराना इस गंभीर मामले से ध्यान भटकाने का प्रयास प्रतीत होता है। संगठन ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को दंडित किया जाए। पदाधिकारियों ने कहा कि महासंघ वर्ष 2018-19 से लगातार शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करता रहा है, लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

प्रदेश में लगातार हो रही औद्योगिक दुर्घटनाएं चिंता का विषय : बैज

मजदूरों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं देने से हो रही दुर्घटनाएं : महंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की अगवाई में सक्ती के वेदांता पावर प्लांट गया तथा दुर्घटना स्थल एवं प्रभावितों से मुलाकात की।

उनके साथ वेदांता पावर दुर्घटना के लिए बनाई गई कांग्रेस की जांच समिति के संयोजक जयसिंह अग्रवाल एवं सदस्य पूर्व मंत्री उमेश पटेल, पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा, विधायक रामकुमार यादव, उत्तरी जांगड़े, अटल श्रीवास्तव, बालेश्वर साहू, राघवेन्द्र सिंह, व्यास कश्यप, शेषराज हरवंश, जिला अध्यक्ष रश्मि गबेल, राजेश अग्रवाल भी शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में लगातार हो रही औद्योगिक दुर्घटनाएं चिंता का विषय है। यह सुरक्षा मानकों के प्रति बरती जा रही घोर लापरवाही है। ऐसी घटना केवल दुर्घटना नहीं हत्या है, सदोष मानव वध है। राज्य में पिछले ढाई सालों में औद्योगिक दुर्घटना में लगभग 300 श्रमिकों की जानें गयी हैं। उन्होंने कहा, घटना के लिए प्रबंधन की जवाबदेही तय कर मुकदमा दर्ज किया जाए। सरकार प्रबंधन को बचा देती है, इसीलिए घटना की लगातार पुनरावृत्ति हो रही है। हर बार सरकार प्रबंधन को बचाने का काम करती है। हमारी मांग है ऐसी कार्यवाही हो ताकि सुरक्षा मानकों के लिए लापरवाही बंद हो। घायलों का समुचित इलाज होना चाहिए। मृतकों को 1 करोड़, घायलों को 50 लाख मुआवजा दे।

राज्य औद्योगिक सुरक्षा की स्थिति भगवान भरोसे- महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि भाजपा की सरकार में छत्तीसगढ़ में औद्योगिक सुरक्षा की स्थिति भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है, मजदूरों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं देने से दुर्घटनाएं हो रही। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि भट्टी बंद किए बिना ही जोखिम भरे काम करवाना, सुरक्षा उपकरणों का न होना और बिना उचित परमिट के काम करना सामान्य बात हो गई है, जो सुरक्षा तंत्र की विफलता का स्पष्ट संकेत है।

कांग्रेस का महिला आरक्षण को समर्थन पर परिसीमन को इससे अलग रखे

कांग्रेस शुरू से महिला आरक्षण बिल की समर्थक रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विधेयक 2010 में राज्यसभा में पारित कराया था। कांग्रेस ने 2023 में भी महिला आरक्षण बिल का समर्थन किया था, आज भी हम समर्थन में हैं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन में महिलाओं को धोखा दे रही है। आज जो परिस्थितियां हैं, वह सही मायने में आरक्षण के लक्ष्य को पूरा नहीं करेंगी। कांग्रेस पार्टी मांग करती है पहले जनगणना हो, फिर परिसीमन हो, उसके बाद महिला आरक्षण बिल पास हो, ताकि देश के सभी राज्यों के छोटे-बड़े राज्यों सभी के साथ न्याय हो। लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या के आधार पर ही आरक्षण लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस की सरकारों के प्रयास से ही आज देशभर में पंचायतों और नगरपालिकाओं में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह 40 प्रतिशत के आसपास है। कांग्रेस ने अपनी कार्यसमिति में भी महिला आरक्षण के लिये प्रस्ताव पारित किया है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने यूपीए की चेयरपर्सन रहते महिला आरक्षण लागू करने के लिये अनेकों बार ठोस पहल किया, तब भाजपा विपक्ष के रूप में इस पर रोड़ा अटकाते रही है।

खबर संक्षेप

लोककल्याण के देव हैं भगवान शिव : डॉ. त्रिवेदी

रायपुर। सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में गुरुवार को सुप्रसिद्ध चिकित्सक और कवयित्री डॉ. शीला गोयल की पुस्तक आशुतोष तुम औघड़दानी का विमोचन पूर्व आईएएस डॉ. सुशील त्रिवेदी ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्री त्रिवेदी ने कहा कि शिव लोककल्याण के देव हैं और आधुनिक समय में उनसे प्रेरणा लेकर हम शांति के साथ जीवन जी सकते हैं। समारोह की अध्यक्ष पूर्व कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा ने कहा कि विषम परिस्थितियों में लेखिका ने शिवजी की आराधना करके समय को अपने अनुकूल कर लिया है। शिवजी का औघड़दानी स्वरूप सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। शिवजी हमें विषमता का मुकाबला धैर्य से करना सिखाते हैं। कार्यक्रम को शताब्दी पांडेय, डॉ. मृणालिका ओझा, डॉ. शीला गोयल, डॉ. संध्या वर्मा, नीलम दिवा कीर्ति, सुनंदा चौधरी और कवि परम कुमार आदि ने संबोधित किया। इस समारोह की अध्यक्षता पूर्व कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा ने की। युवा कवि परम कुमार और वरिष्ठ कवि योगेश योगी ने शिवजी को केंद्र में रखकर अपनी रचनाओं का पाठ किया। आभार व्यक्त डॉ. सीमा निगम ने किया। समारोह में प्रमुख रूप से डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र, डॉ. सुरेश देशमुख, विजय मिश्रा, त्रिलोक महावर, मंजूषा अग्रवाल, सीमा अवस्थी, लतिका भावे, राजेंद्र ओझा, डॉ. अरविंद नेरल, राजेश गनोदवाले आदि शामिल थे।

जनसंघ-जिज्ञासा और समाधान कार्यक्रम आज

रायपुर। अखिल भारतीय जनसंघ द्वारा जनसंघ : जिज्ञासा एवं संमाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम न्यू शांति नगर स्थित विमतारा हॉल में 17 अप्रैल को शाम 5 बजे प्रारंभ होगा। यह जानकारी जनसंघ के प्रांत सह संयोजक संजय सहगल ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. भारत भूषण पांडेय होंगे।

सरकारी दफ्तरों में हर दिन लग रही भीड़

गर्मी में राहत पहुंचाने न तो कूलर और न ही ठंडा पानी, लोग हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भीषण गर्मी के बाद भी नगर निगम मुख्यालय, तहसील कार्यालय, पंजीयन सहित विभिन्न सरकारी दफ्तरों में हर दिन लोगों की भीड़ लग रही है। इन दफ्तरों में लोग अपना-अपना काम कराने पहुंच रहे हैं। कई दफ्तरों में तो लोगों को अपना काम कराने में कई घंटे लग रहे हैं, जिसके कारण उन्हें दफ्तरों में या दफ्तर के बाहरी परिसर में इंतजार करना पड़ रहा है। इधर इस भीषण गर्मी से दफ्तरों में आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए कूलर तक की व्यवस्था नहीं की गई है। कई दफ्तरों में तो ठंडा पानी का भी इंतजाम नहीं है, जिसके कारण गर्मी और प्यास की दोहरी मार झेलते हुए दफ्तरों में घंटों परेशान होना पड़ रहा है।

रजिस्ट्री दफ्तर के वेटिंग हॉल में एक कूलर वह भी बिगड़ा हुआ

कलेक्टोरेट परिसर स्थित रजिस्ट्री दफ्तर के वेटिंग हॉल में आम लोगों के लिए पिछले वर्ष एक लग्जरी कूलर खरीदा गया था। इस कूलर को वेटिंग हॉल में अपनी रजिस्ट्री की बारी का इंतजार करने वाले लोगों के लिए पंजीयन विभाग ने खरीदा था। यह कूलर बिगड़ा पड़ा हुआ है, जिसके कारण यह बंद है। वेटिंग हॉल में बैठे लोग अब सिलिंग पंखे की गरम हवा के नीचे बैठना पड़ रहा हैं। यहां ठंडा पानी की व्यवस्था भी नहीं है, जिसके कारण लोगों को पैसे खर्च कर पानी खरीदना पड़ रहा है।

जनदर्शन कक्ष में एसी-कूलर दोनों खराब

कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में हर दिन लोग बड़ी संख्या में अपनी समस्या और शिकायत लेकर पहुंचते हैं। इस कक्ष में अधिकारी से लेकर कई कर्मचारी भी बैठते हैं। आम इस कक्ष में पहले एसी लगा हुआ था, जो पिछले सालभर से खराब है, वहीं एसी की जगह कूलर लगाया गया है। यह कूलर भी बिगड़ा हुआ है। इस तरह इस कक्ष में बगैर कूलर, एसी के अधिकारी-कर्मचारी सहित आम लोग भी गर्मी से परेशान हो रहे हैं।

जन्म-मृत्यु एवं पेंशन दफ्तर में गर्मी से हलाकान हो रहे लोग

नगर निगम मुख्यालय स्थित जन्म-मृत्यु एवं पेंशन शाखा के दफ्तर में भी हर दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। इस दफ्तर में भी आम लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए कूलर आदि की व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण लोगों को कई घंटे पसीना बहाकर अपना काम कराना पड़ रहा है।

तहसील दफ्तर में भी लोग हो रहे हलाकान

तहसील दफ्तर में भी हर दिन बड़ी संख्या में आम लोगों के अलावा वकील पहुंचते हैं। तहसील दफ्तर में भी कहीं भी आम लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। यहीं नहीं यहां ठंडा पानी की व्यवस्था भी नहीं है, जिसके कारण लोगों को पानी पीने के लिए दफ्तर से बाहर जाना पड़ता है।

लोकसेवा केंद्र, जोन दफ्तरों में भी लोग हो रहे गर्मी से बेचैन

कलेक्टोरेट सहित अन्य लोकसेवा केंद्रों के अलावा जोन दफ्तरों में भी आम लोगों की हर दिन भीड़ लग रही है, लेकिन इन लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

बिजनेस साइट

जेसीआई सुपर चैप्टर का अर्धवार्षिक शपथ समारोह भव्यता के साथ हुआ

रायपुर। जेसीआई सुपर चैप्टर का अर्धवार्षिक शपथ समारोह भव्यता और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जेसीआई के 10 अध्यायों के सदस्य एक मंच पर एकत्रित हुए, जिन्होंने संगठन की एकजुटता और ऊर्जा का परिचय दिया। समारोह में 100 से अधिक नए सदस्यों ने जेसीआई परिवार की सदस्यता ग्रहण करते हुए समाजसेवा, व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम युवाओं को जिम्मेदार नागरिक और प्रभावी नेतृत्वकर्ता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ। कार्यक्रम में चेयरमैन पीपीपी जेएफआर राजेश अग्रवाल, सुपर चैप्टर कोच जेसीआई सेनेटर सीए अमिताभ दुबे, डायरेक्टर जेसीआई सेनेटर चित्रांक चोपड़ा और को-ऑर्डिनेटर जेसीआई सेनेटर लीना वाढेर की विशेष उपस्थिति रही। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेसीआई सेनेटर एडवोकेट अमितेश पाठक ने नव सदस्यों को शपथ दिलाई।

ज्ञान गंगा एजूकेशनल एकेडमी के कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 100% रहा

रायपुर। शहर के प्रतिष्ठित ज्ञान गंगा एजुकेशनल एकेडमी ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। इस वर्ष कुल 166 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें सभी सफल रहे। खास बात ये रही कि 30 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 120 से अधिक छात्रों ने 85 प्रतिशत से ऊपर अंक अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। कई विद्यार्थियों ने गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी और संस्कृत जैसे विषयों में पूर्णांक प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। यह सफलता छात्रों के परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम मानी जा रही है।

सीबीएसई 10वीं में शिवांश इंटरनेशनल स्कूल का शानदार प्रदर्शन, परिणाम शत-प्रतिशत

रायपुर। शिवांश इंटरनेशनल स्कूल काठाडीह के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा 10वीं में अमन देवांगन ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि आर्यवीर राठौर 94 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहे। प्रियांशु साहू और पीयुष वाघमारे ने 90.20 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। खिरोज देवांगन ने 89 प्रतिशत अंकों के साथ चतुर्थ स्थान हासिल किया। विद्यालय का कक्षा 10वीं का परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जो संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर प्राचार्या दीपाली त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड में छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल का शत-प्रतिशत परिणाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल, टाटीबंध ने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। विद्यालय के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया। इस वर्ष नमन हरदाहा ने 97.4 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। निशिका दास और पिवल वर्मा 97 प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि विस्वजीत पात्रा और शिक्षा भूषण ने 96.8 प्रतिशत अंक अर्जित किए। ओशी वर्मा, सांवी शर्मा और राधिका लुहार सहित कई विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। वहीं कुल 150 विद्यार्थियों में से 32 ने 90 प्रतिशत से अधिक और 73 ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परिणाम में कोलंबिया ग्लोबल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

रायपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में कोलंबिया ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय की छात्रा दीक्षा वर्मा ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। भास्कर कुमार 93.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, जबकि शौर्यवर्धन चौहान 92.6 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहे। इसके अलावा वरुण वर्मा ने 91.6 प्रतिशत और आर्या मिश्रा ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्य आईविन स्मिथ ने इसे विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम बताया।

पुराना धमतरी रोड अतिक्रमण मुक्त टीम प्रहरी ने चलाया अभियान

रायपुर। राजधानी रायपुर में आम जनता को सुगम और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था देने के मकसद से टीम प्रहरी ने शहर के बोरियाखुर्द और पुराना धमतरी रोड पर व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान सड़क घेरकर अवैध रूप से ठेले, गुमटी लगाने वालों को वहां से हटाकर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया। नगर निगम के अपर आयुक्त पंकज शर्मा, एएसपी यातायात विवेक शुक्ला की मौजूदगी में चली इस कार्रवाई में दुकानदारों को अंतिम चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा सड़क पर पर सामान रखा तो बिना किसी पूर्व सूचना के समान की जब्ती की जाएगी। टीम प्रहरी ने इस दौरान पुराना धमतरी मार्ग पर 10 से अधिक ठेले और गुमटियों को मौके से हटाया। इस अभियान में नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, नगर निगम जोन 10 कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा, कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला सहायक अभियंता योगेश यदु, सुशील अहीर, उप अभियंता अजय श्रीवास्तव की उपस्थिति रही।

खड़ी कार को होंडा सिटी ने मारी टक्कर गाड़ी 20 फीट से ज्यादा दूरी पर जाकर रुकी

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र के कमल विहार सेक्टर-5 में एक खड़ी कार को होंडा सिटी कार ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार में सवार एक पांच साल की बच्ची तथा एक बुजुर्ग महिला घायल हुई है। दोनों घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। घटना का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है, होंडा सिटी कार का चालक कार की गति पर नियंत्रण नहीं कर पाया और पीछे से डस्टर कार को टक्कर मार दी। होंडा सिटी की टक्कर से खड़ी डस्टर कार करीब 20 से 30 फीट दूर जाकर रुकी। घटना की किसी ने अब तक थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। जानकारी के मुताबिक भाठागांव निवासी अनिल शुक्ला अपने परिवार के साथ कहीं जाने के लिए निकले थे। इस दौरान कमल विहार के सेक्टर पांच स्थित मंदिर में दर्शन के लिए रुक गए। कार में चार से पांच लोग सवार थे। मंदिर जाने अनिल शुक्ला और उनके परिजन कार से नीचे उतर गए। कार के अंदर बच्चा तथा बुजुर्ग महिला बैठी रही। इसी दौरान तेज रफ्तार होंडा सिटी कार ने अनिल शुक्ला की कार को पीछे से ठोकर मार दी।

पेज 11 के शेष

धधका रायपुर, 43 ....

19.6 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज हुआ। आने वाले तीन दिनों तक अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक की वृद्धि होगी। 20 अप्रैल से लोगों को थोड़ी राहत मिल सकती है। इस दौरान तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट आएगी।

चक्रवाती प्रभाव ....

से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में आज मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा, किंतु बस्तर संभाग के एक-दो जिलों में गरज चमक संभव है।

इंटेकवेल के हेडर ....

दरअसल, नगर निगम के इंटेकवेल के रॉ क्लीयरिंग वाटर के मेन हेडर में बुधवार रात्रि 1 बजे जोर के ब्लास्ट के साथ पाइप लाइन फट गयी। इस वजह से पानी सफाई के साथ शहर की 29 पानी टंकियों से जल आपूर्ति नहीं हो सकी। नगर निगम के जल विभाग ने रात में ही पाइप लाइन मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया था, जो गुरुवार सुबह 10: 30 बजे तक चला। इसके बाद ही पानी शुद्धिकरण और टंकी भरने का काम शुरू हो सका, दोपहर तक टंकियों को 1 से 3 मीटर तक ही भरा जा सका। इसके कारण गुरुवार शाम के समय शहर की 29 पानी टंकियों से जल आपूर्ति आंशिक रूप से प्रभावित रही। जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र ने हरिभूमि को बताया कि शुक्रवार सुबह नियमित रूप से जल आपूर्ति की जाएगी।

सहायक शिक्षक के ....

उक्त पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक अर्हता, आयु सीमा एवं अन्य शर्तें भी निर्धारित कर दी गई हैं।

व्याख्याता एवं शिक्षक ....

जिसकी संभावित तिथि 11 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि संबंधी जानकारी व्यापम द्वारा पृथक से जारी की जाएगी। व्याख्याता एवं शिक्षक के पदों पर भर्ती के लिए पृथक से विज्ञापन भी जारी किए जाएंगे।

इस हफ्ते से ....

एक्सप्रेस में शुरू की जा रही है। रेलवे प्रशासन ने तय किया है कि एजेंसी को कोच के अंदर बेडरोल रखने के लिए दो सीटें आवंटित की जाएंगी और इन दोनों सीटों का खर्च एजेंसी ही वहन करेगी। एजेंसी ने इसके लिए कोच क्रमांक एस-4 या 3 की डिमांड की है।

सीटों को लेकर ....

समाधान करने में जुटा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि इसी हफ्ते इस तकनीकी समस्या को सुलझा लिया जाएगा और यात्रियों के लिए यह सुविधाजनक सेवा विधिवत शुरू कर दी जाएगी।इस सुविधा से स्लीपर कोच से दो सीट कम हो जाएगी, लेकिन बेडरोल की सुविधा आसान हो जाएगी।

मंडल के एक्सप्रेस ....

एक्सप्रेस, नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस, दुर्ग-अंबिकापुर, अंबिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। इस नई सुविधा से स्लीपर कोच में लंबी दूरी तक सफर करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। बेडरोल देने से पहले एजेंसी यात्री का पीएनआर और बर्थ क्रमांक नोट करेगी, उसके बाद बेडरोल देगी। बेडरोल रखने के लिए रेलवे, ठेका एजेंसी को प्रत्येक ट्रेन में दो बर्थ देगा।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भू-स्वामित्व की परिवर्तित भूमि श्री चंद्रकांत वर्मा, पिता श्री ओमप्रकाश वर्मा, जाति कुर्मी, निवासी-ग्राम बरौंदा, विधान नगर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम व स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि वाके मौजा ग्राम जरौदा, प.ह.नं. 19, तहसील मंदिरहसौद जिला रायपुर (छ.ग.) में भूमि खसरा क्रमांक 351/5, रकबा 0.0504 हे. में से 0.0102 हे. याने 1100 वर्गफुट को विक्रय करने का पक्का सौदा मेरे पक्षकार द्वारा कर लिया गया है। मात्र पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

उपरोक्त संव्यवहार के संदर्भ में जिस किसी भी व्यक्तियों, संस्था, निकाय, साहूकार, बैंक, वित्त प्रदान करने वाली अन्य समस्त संस्था प्राधिकरण अथवा शासकीय, अर्ध शासकीय निकाय या प्राईवेट संस्थान को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति, वाद-विवाद, हित निहित हो तो वह अपनी आपत्तिमय प्रमाणित दस्तावेजों के मेरे अधोलिखित मेरे पते पर कार्यालयीन अवधि में इस आम सूचना प्रकाशन से 7 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें।

उपरोक्त अवधि के अवसान के उपरान्त आपत्तियां एवं दावे शून्य एवं विधि विरूद्ध समझे जावेंगें। और मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जानें।

दिनांक :- 16/04/2026
स्थानाः- आरंग

भवदीय
कौशल कुमार सोनकर (अधिवक्ता)
ऑफिस - उप पंजीयक कार्यालय के सामने, ब्लॉक कॉलोनी,
आरंग जिला रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 7000839159

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम-सूचना

दिनांक 15/04/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलदेव नौरगे पिता/पति रमेशर नौरगे निवासी साकरा की ग्राम साकरा प.ह.नं. 0.24 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 304/7 रकबा 0.0390 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/तह./2026 आदेश दिनांक 06/04/2026 के परिपालन में दिनांक 28/04/2026 को समय 1.00 बजे पश्चात किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नबंर 24 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वंय अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नही होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-19 (धनेली)

एमएड-बीएड विभागीय प्रशिक्षार्थियों का प्रवेश शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में शासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-28 के लिए एमएड और बीएड विभागीय प्रशिक्षण के लिए प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 से एससीईआरटी की वेबसाइट पर शुरू हो गई है।

पात्र शिक्षक ऑनलाइन आवेदन इस लिंक के माध्यम से कर सकते हैं, जिसमें चयन वरिष्ठता के आधार पर होगा। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय शंकरनगर के प्राचार्य ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग संवर्ग के जिला शिक्षा अधिकारी, पंचायत विकास विभाग, नगरीय नियोजन विभाग से प्राचार्य, व्याख्याता, प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक, शिक्षक, प्रधानपाठक प्राथमिक शाला एवं अपने आवेदन को यथास्थिति संबंधित महाविद्यालय में 7 मई तक जमा करेंगे। तीनों विभाग के अभ्यर्थी एमएड, बीएड प्रशिक्षण के लिए एससीईआरटी की साइट से निर्धारित प्रारूप में प्राप्त कर आवेदन को हार्डकॉपी में आवश्यक दस्तावेजों को संलग्न कर अपने धावार्थ से अग्रेषित 15 से 30 अप्रैल तक तक ऑनलाइन भरेंगे। इस भरे हुए आवेदन का प्रिंटआउट कराकर 7 मई तक अपने संबंधित विद्यालय में जमा करेंगे।

CHHATTISGARH PUBLIC SCHOOL
CPS
Proud Tradition Promising Future...
CBSE AFFILIATION NO. 3330087
NEAR AIIMS, HEERAPUR ROAD TATIBANDH RAIPUR C.G.
9752148000, 9109166622, 07714094795
36GARH3330087@GMAIL.COM, WWW.CPSRAIPUR.COM
Congratulations!
The school proudly recorded a 100% pass result.
Chhattisgarh Public School, Tatibandh, Raipur, deligted to share the CBSE 10 Board result 2026.
Our students have once again demonstrated academic excellence with an outstanding performance in the CBSE Class X Board Examination 2025 - 26.
In 10th board examination 25% of students scored more than 90% and above Marks, 60% students scored 80% and above Marks and 90% students scored 1st Division.
NAMAN HARDAHA 97.4 %
NISHIKA DASH 97 %
PIVAL VERMA 97%
BISWAJEET PATRA 96.8 %
SHIKSHA BHUSHAN 96.8 %
OSHI VERMA 95.6 %
SANVI SHARMA 95.2 %
KIRTI MITTAL 95 %
RADHIKA LUHAR 95 %
SOUMYA UPADHYAY 94.4 %
LAKSHYA PATKAR 94.4 %
RAJAT DEWANGAN 94 %
Wishing our students continued success in their future endeavours
Admission Open Nursery To Class 12
"All Streams are Available"(Science, Commerce & Arts)
Separate Hostel for Boys & Girls
CPS KIDS ACADEMY
PLAYGROUP TO CLASS 5
SHANKAR NAGAR : 9109762200
SHRINAGAR : 9981977444, BIRGAON : 9827172688

HEALTH TOWN
DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पोन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द > साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

संत माता कर्मा ब्लाक कांग्रेस कमेटी की बैठक

रायपुर। गुरूवार को संत माता कर्मा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री कुमार शंकर मेनन, विशाल शर्मा,पूर्व पार्षद छाया पार्षद वार्ड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता गण शामिल हुए । बैठक में बूथ कमेटी बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशाल शर्मा हिरेंद्र देवांगन, सहदेव व्यवहार, पल्लवी , राजा बंजारे ,राजू साहू, तुलाराम साहू, अवनेश जोशी, दुष्यंत साहू, शिव जोशी, अशोक बाग, नरेंद्र जांघेल, नीरज शर्मा ,जसमीत सेठी ,सुरेश ढीवर , वरुण चटर्जी सूर्य निर्मलकर तरुण साहू राजेंद्र साहू शामिल रहे।

गर्मी में 20 अप्रैल से ग्रीष्म अवकाश के निर्णय का स्वागत

रायपुर। माधवराव सप्रे उच्चतर माध्यमिक शाला विकास समिति के अध्यक्ष हरख मालू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि स्कूली छात्रों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर जनहित में लिया गया यह निर्णय स्वागत योग्य है। विदित हो, श्री मालू ने भीषण गर्मी की तपती धूप में बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश की सभी शालाओं में अवकाश घोषित कराए जाने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखा था ,जिसमें श्री मालू ने मुख्यमंत्री श्री साय से अनुरोध किया कि वे इस आशय का महत्वपूर्ण निर्णय लेकर सभी शासकीय एवं निजी शालाओं में अवकाश घोषित कराने हेतु निर्देशित करें ताकि इस भीषण गर्मी में स्वास्थ्य पर होने वाले विपरीत प्रभाव वे स्कूली बच्चों को सुरक्षित किया जा सके। स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोपरि मानते हुए 20 अप्रैल से स्कूलों में ग्रीष्म अवकाश दिए जाने की घोषणा की गई है।

सभापति के वाहन पात्रता को लेकर आयुक्त को पत्र

रायपुर। नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने निगम आयुक्त विश्वदीप को पत्र लिख सभापति के वाहन की पात्रता के संदर्भ में जानकारी चाही है। उनका कहना है कि नगर निगम के सभापति को वाहन की पात्रता है या नहीं, इसकी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराएं। जिससे वाहन के उपयोग के संदर्भ में उनके द्वारा उचित निर्णय लिया जा सके। श्री राठौर ने आयुक्त को लिखे पत्र में इस बात का उल्लेख किया है कि नगर निगम रायपुर द्वारा सभापति को वाहन उपलब्ध कराया गया है। यह व्यवस्था नगर निगम रायपुर में वर्ष 1999 से लागू है।

पॉवर कंपनी बिजली आयोग में रखेगी आज अपना पक्ष

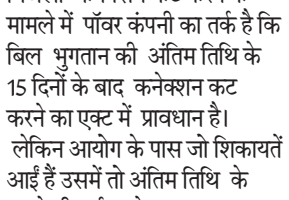

रायपुर । प्रदेश भर के बिजली उपभोक्ताओं की हजार रुपए के बकाया पर ही बिजली कट करने के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी शुक्रवार को बिजली नियामक आयोग में अपना पक्ष रखेगी। हरिभूमि में हजार रुपए के बकाया पर ही बिजली कनेक्शन कट की खबर के प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाज आयोग ने इसको खुद से संज्ञान में लेकर याचिका लगाकर पॉवर कंपनी से जवाब-तलब किया है।इसकी एक बार सुनवाई हो चुकी है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने आयोग के नोटिस के जवाब में अपना पक्ष तो रखा दिया है, पर कंपनी के पक्ष से आयोग संतुष्ट नहीं है। आयोग ने जहां अगले आदेश तक फिलहाल किसी भी उपभोक्ता की बिजली कट करने पर रोक लगा दी है, वहीं पॉवर कंपनी से लिखित में जवाब मांगा है कि किनका कनेक्शन किस प्रक्रिया के तहत कट किया गया है। बिजली कनेक्शन कट करने के मामले में पॉवर कंपनी का तर्क है कि बिल भुगतान की अंतिम तिथि के 15 दिनों के बाद कनेक्शन कट करने का एक्ट में प्रावधान है। लेकिन आयोग के पास जो शिकायतें आईं हैं उसमें तो अंतिम तिथि के पहले भी कई कनेक्शन कट कर दिए गए हैं।

सोलर से रोशन गांवों में भी बिजली की लाइन पहुंचाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

- एमडी भीम सिंह कंवर ने किया कोटा वनांचल क्षेत्र के चार गांवों का स्थल निरीक्षण

प्रदेश क्षेत्र के वनांचल के गांवों में जहां अब तक सोलर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की व्यवस्था की गई थी, अब शीघ्र ही मुख्य बिजली लाइन (ग्रिड) से जोड़ा जाएगा। इससे इन गांवों को अस्थाई सोलर व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी और नियमित, स्थाई बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इसका जायजा लेने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। श्री कंवर ने बिलासपुर के कोटा वनांचल क्षेत्र के चार गांवों का स्थल निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का आकलन किया तथा आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित बिजली अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के चलते कोटा वनांचल में स्थित सरगोड़, छुइहया, चिचवा डबरी एवं परसापानी गांवों में पहले सोलर प्लांट के जरिए बिजली पहुंचाई गई थी। किंतु अब बिजली विभाग ने इन गांवों को मुख्य ग्रिड से जोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी है, जिससे ग्रामीणों को निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली उपलब्ध हो सकेगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम ने गांवों में पहुंचकर सर्वे एवं तकनीकी निरीक्षण किया।

स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाएगा

एमडी श्री कंवर ने कहा, सोलर व्यवस्था एक अस्थाई समाधान था, लेकिन अब इन गांवों को मुख्य बिजली लाइन से जोड़कर स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। ग्रामीणों ने भी इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, अब उन्हें सीमित सोलर बिजली पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और वे पंखा, टीवी, मोटर जैसे उपकरणों का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। चूंकि ये गांव घने जंगलों से घिरे हुए हैं, अतः वहां तक बिजली लाइन खींचने के लिए फॉरेस्ट क्लीयरेंस की भी आवश्यकता होगी। इस संबंध में अधिकारियों ने श्री कंवर को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने वन विभाग से क्लीयरेंस प्राप्त करने हेतु तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि चारों गांवों के विद्युतीकरण में किसी प्रकार की बाधा न आए। निरीक्षण के दौरान विद्युत कंपनी के अधीक्षण अभियंता एसके जांगड़े, ईई प्रोजेक्ट मिलिंद पाण्डेय, कोटा ईई राजेन्द्र गोंड सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

निजी बिल्डर की ओर से जमा फाइल निगम मुख्यालय न भेजकर सीधे टीएनसी भेज दी गई

जोन 10 से टीएनसी और मार्ग संरचना अप्रूवल के नाम पर 69 भूखंड की फाइल हो गई गायब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम में टीएनसी और मार्ग संरचना अप्रवूल के नाम पर 69 भूखंडों की फाइल गायब हो गई है। नगर निगम जोन 10 के कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड में आरडीए कालोनी से लगे बोरियाखुर्द, ओम नगर, सांई नगर, बिलाल नगर क्षेत्र के भूखंडों से जुड़ा मामला है। यह फाइल जोन कार्यालय से निगम मुख्यालय के बजाय सीधे नगर निवेश विभाग जो आवास एवं पर्यावास विभाग के अधीन होता है, उसे भेज दी गई। मामला सामने आते ही जोन कमिश्नर को मुख्यालय अटैच किया गया है। निगम आयुक्त ने इस मामले की जांच के लिए एक टीम भी बनाई है।

नगर निगम में 100 एकड़ जमीन के कथित घोटाले का मामला सामने आया है, जिससे हड़कंप मच गया है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और मार्ग संरचना अप्रूवल के नाम पर नियम-कानूनों को दरकिनार कर फाइलें पास करने और बाद में मूल दस्तावेज गायब होने के आरोप लगे हैं। मामले की प्रक्रिया को बायपास करने 69 खसरा नंबर की फाइलें गायब होने और अधिकारियों-बिल्डरों के मिली भगत जैसे सवाल उठ रहे हैं। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने जोन 10 द्वारा मार्ग संरचना की फाइल को बिना मुख्यालय भेजे टाउन एंड कंट्री प्लानिंग भेजने पर ऐतराज करते हुए अधिकारियों की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाया है।

उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि नगर निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के दोषी अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर की कार्रवाई सुनिश्चित हो, प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाए। यह एक बड़ा मामला है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि जोन 10 के संबंधित अधिकारी और नगर निवेश के अधिकारियों की संलिप्तता से यह खेल खेला गया। पत्रकारों से चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने इस मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं, उन्होंने कहा कि जोन 10 का यह मामला 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का घोटाला है। दलाल, बिल्डर और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से यह खेल खेला गया है। इसमें नियम और कानून को तिलांजलि दी गई है। मामले की जानकारी होते ही मूल नस्ती गायब कर दी गई। अवैध कालोनियों को अवैध तरीके से वैध करने का एक बड़ा षड़यंत्र है।

- 100 एकड़ जमीन का मामला, बोरियाकला इलाके के ओमनगर, सांई नगर बिलाल नगर क्षेत्र की फाइल

मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है

इस मामले में प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है, गड़बड़ियां सामने आई हैं, हमने इसे संज्ञान में लेते हुए तत्काल प्रभाव से मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। टीएनसी से कराए अप्रूवल को तुरंत निरस्त कर दिया है। मामले की जांच के लिए एक टीम बनाई है, जिसने आज ही रिपोर्ट दी है। एफआईआर भी करा दी गई है।
- **विश्वदीप,** आयुक्त, नगर निगम रायपुर

प्रक्रिया के बायपास होने पर सवाल, अप्रवूल की प्रक्रिया इस तरह मार्ग संरचना अप्रूवल की प्रक्रिया इस तरह से है

- पहले जोन से फाइल निगम मुख्यालय आती है
- निगम कमिश्नर देते हैं अप्रवूल
- फिर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग यानी टीएनसी विभाग भेजी जाती है।
- टीएनसी से वापस निगम कमिश्नर के पास आती है, और अंतिम अप्रूवल के पास जोन को भेजी जाती है।
- इस मामले में जोन क्रमांक 10 से फाइल सीधे टीएनसी विभाग पहुंचा दी गई। निगम कमिश्नर को पूरी तरह बायपास कर दिया गया। जब टीएनसी से फाइल निगम कमिश्नर के पास आई, तो उन्होंने हैरानी जताई कि संबंधित फाइल उन्होंने अप्रूव ही नहीं की थी। इसके बाद जोन 10 से मूल नस्ती मंगाई गई, तो पता चला मूल फाइल ही गायब हो चुकी है। जोन 10 के नए कमिश्नर ने नस्ती गुम होने का अधिकारिक पत्र भी लिखा है।

विवि है या दारूबाजों का अड्डा? देर रात पार्टी से प्राध्यापक-छात्र त्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि इन दिनों दारूबाजों का अड्डा बन गया है। विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न अध्ययनशालाओं में मैदान निर्मित हैं। इसके अतिरिक्त भी कई विवि परिसर में सरोवर, मैदान सहित छात्रों के अध्ययन-अध्यापन के लिए खुली जगह अथवा उद्यान हैं। परिसर में प्रवेश के लिए कड़े नियम नहीं होने के कारण यहां कोई भी आसानी से प्रवेश कर जाता है। परिसर में स्थित पं.रविशंकर शुक्ल की प्रतिमा के नीचे मध्यरात्रि केक काटे जाने से लेकर यहां मैदानों में बाहरी तत्वों द्वारा बैठकर शराब व नशीले पदार्थों का सेवन सामान्य बात हो गई है। मैदान में प्रतिदिन नशीली सामग्री प्राप्त हो रही है। इसके पूर्व विवि में निर्मित सरोवर में भी इस तरह की शिकायत प्राप्त हुई थी। यहां सुरक्षाकर्मियों की नियुक्ति किए जाने के कारण स्थिति पहले से बेहतर है, किंतु अन्य स्थानों में अब भी पूर्व की ही तरह असामाजिक तत्व देर रात डेरा जमाए रहते हैं। विवि अध्ययनशाला के छात्रों और छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों में भी इसे लेकर रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि कई बार उन्हें खेलने के लिए मैदान नहीं मिल पाता है। बाहर से आए लड़के वहां कब्जा किए हुए रहते हैं। विरोध करने पर विवाद की स्थिति निर्मित होती है पढ़ाई प्रभावित होती है, इस कारण वे भी उच्च स्तर पर शिकायत नहीं करते हैं।

समाधान करेंगे

विवाद की सूचना प्राप्त होने पर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। छात्रों से अन्य असामाजिक गतिविधियों की शिकायतें प्राप्त होने पर उनका भी समाधान करेंगे।
- **प्रो.राजीव चौधरी,** मीडिया प्रभारी, रविवि

विवाद के बाद उठा मुद्दा

रविवि में बीते दिनों शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष, छात्रों व सुरक्षा गार्ड के साथ बाहरी लड़कों ने झूमाझटकी की थी। वे रविवि अध्ययनशाला के मैदान में आकर खेल रहे थे। रोके जाने पर विवाद की स्थिति निर्मित हुई। रविवि ने पूरे मामले की शिकायत सरस्वती नगर थाने में की है। इस विवाद के बाद रविवि यूटीडी के अन्य विभागों के प्राध्यापक भी सामने आए और उन्होंने बाहरी तत्वों को विवि परिसर से बाहर रखने तथा इस संदर्भ में नियम बनाने की मांग की है। प्राध्यापकों का कहना है कि टीचर्स कॉलोनी भी बाहरी लड़के कई बार देर घूमते मिल जाते हैं। किसी तरह का सवाल किए जाने पर उनके द्वारा दुर्व्यवहार आम बात हो गई है। सूत्रों के अनुसार, शिक्षक संघ अब पूरे मामले में निंदा प्रस्ताव लाने और विवि से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की तैयारी में है।

जोन 1 में जनगणना प्रशिक्षण पूरा, 120 प्रगणक-पर्यवेक्षकों को ट्रेनिंग, फील्ड सर्वे शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- महावीर स्कूल में तीन बैच में प्रशिक्षण
- कन्हैयालाल बाजारी वार्ड में जनगणना सर्वे

रायपुर नगर निगम जोन 1 में जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर प्रशिक्षण एवं फील्ड सर्वे का कार्य इन दिनों चल रहा है।

गुढ़ियारी स्थित महावीर स्कूल में तीन बैच में जनगणना प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देने का कार्य पूरा कर लिया गया है। जोन कमिश्नर और जनगणना चार्ज अधिकारी अंशुल शर्मा सीनियर ने बताया निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर यह प्रशिक्षण तीन अलग-अलग सत्र में आयोजित किया गया, जिसमें 120 प्रगणक और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान 20 प्रगणक और पर्यवेक्षक स्वास्थ्यगत कारणों से अनुपस्थित रहे। प्रशिक्षण के साथ ही जोन 1 की टीम ने गुढ़ियारी क्षेत्र में जनगणना के लिए फील्ड सर्वे भी किया। इसके तहत जोन 1 की टीम कन्हैयालाल बाजारी वार्ड में पहुंची, जहां वार्ड पार्षद राजेश कुमार देवांगन के निवास पर भी जनगणना सर्वे किया गया।

जिले के ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल संकट, डबल इंजन सरकार का धोखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- ठेकेदारों को डेढ़ वर्ष से भुगतान बंद, जनता पानी के लिए तरस रही

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, रायपुर जिला ग्रामीण क्षेत्र के गांवों में जल जीवन मिशन की योजनाएं पूरी तरह ठप पड़ी हैं। ठेकेदारों को पिछले डेढ़ वर्ष से एक भी पैसा भुगतान नहीं किया गया है, जिस कारण टंकी निर्माण, पाइपलाइन और अन्य कार्य रुके पड़े हैं। ग्रीष्म की भीषण गर्मी में महिलाएं और बच्चे पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार पूरी तरह संवेदनहीन और लापरवाह बनी हुई है। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, पूर्व जनपद सदस्य जयंत साहू, कांग्रेस नेता महेंद्र गुड्डू एवं सेन प्रेम सुल्तान ने गुरुवार को अनिल कुमार बच्चन, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन सहायक अभियंता शुभ्रा बघेल के माध्यम से दिया गया। ज्ञापन में ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए रायपुर जिला ग्रामीण क्षेत्र के सभी अधूरे जल जीवन मिशन कार्यों को तुरंत पूरा करने की मांग की गई।

इन क्षेत्रों में पेयजल संकट

रायपुर जिला ग्रामीण क्षेत्र धरसींवा, आरंग, अभनपुर, तिल्दा आदि के कई गांवों में पेयजल की स्थिति अत्यंत भयावह है। सारागांव, बहेशर, मुरेठी, गोमची-परसतराई एवं तर्रा पानी टंकी अधूरा है एवं कनेक्शन बचा हुआ, सकरी बाराडेरा में बोर धस गया, टंकी दो महीने से बंद पड़ी है। वहीं कुछ अन्य गांवों मिशन का कार्य अधूरा है उनमें ग्राम मादाडीह स्रोत ही उपलब्ध नहीं। मोतिमपुरकला में पाइपलाइन बिछाई ही नहीं गई। तरपोंगी में टंकी निर्माण मात्र 50 प्रतिशत पूरा। तुलसी नेवरा में टंकी की फिनिशिंग अधूरी। हथबंध में पानी की टंकी और पाइपलाइन निर्माण अधूरा है।

आधी रात टिंबर मार्केट में आग से मचा हड़कंप

निगम की पानी टंकी फूटने की वजह से फायर ब्रिगेड को एम्स से पानी की व्यवस्था करनी पड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देवेंद्र नगर क्षेत्र के फाफाडीह टिंबर मार्केट में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात आग लगने से हड़कंप मच गया। स्थिति उस समय विकट हो गई, जब फायर ब्रिगेड की टीम को निगम की जगह पानी की व्यवस्था एम्स अस्पताल से करनी पड़ी। फायर ब्रिगेड को निगम से पानी नहीं मिलने का कारण निगम की भाठागांव एनिकट स्थित वाटर फिल्टर प्लांट के हैडर में ब्लास्ट होने की वजह से शहर की 23 पानी टंकियों में पानी की आपूर्ति नहीं हो पायी। इसके चलते फायर ब्रिगेड को लंबी दूरी तय कर एम्स अस्पताल से पानी लाना पड़ा। पानी की कमी तथा व्यवस्था करने में देर होने की वजह से आग पर काबू पाने में पांच से छह घंटे का समय लग गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पायनियर मार्केटिंग कैलाश टिंबर गोदाम से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। इसके बाद देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। गोदाम में बड़ी मात्रा में लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। इस वजह से आग तेजी से फैलती चली गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। आग पर काबू पाने फायर ब्रिगेड की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं।

आसपास के रहवासियों को शिफ्ट कराया गया

आग को बेकाबू होते देख मौके पर उपस्थित प्रशासन तथा पुलिस की टीम ने आसपास के रहवासियों को उनके घरों से निकालकर दूसरी जगह शिफ्ट कराया। लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट कराने पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस तथा प्रशासन की मुस्तैदी की वजह से किसी तरह से कोई जनहानि नहीं हुई।

शॉर्ट सर्किट से आगजनी की आशंका

आग से लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आग लगाने का कारण शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। सुबह तक टिंबर गोदाम में कूलिंग का काम जारी था।

मादक पदार्थ तस्करी में पुलिस के साथ कोर्ट सख्त तस्कर को 20 साल कैद के साथ पांच लाख जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- फरवरी से मार्च के बीच 51 तस्करों को सुनाई गई सजा
- तस्करों के खिलाफ चालान तामिल करने कमिश्नर ने नियुक्त किया नोडल अफसर

मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों को अब कोर्ट लंबी सुनवाई की तारीख देने के बजाय उनकी सुनवाई जल्द पूरी कर सजा सुना रही है। इसके साथ ही पुलिस भी तस्करों के खिलाफ नकेल कसने उनकी धर पकड़ करने के साथ ही कोर्ट द्वारा जारी चालान तामिल कराने पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने एक एसीपी को नोडल अफसर नियुक्त किया है। गंज थाना क्षेत्र में साढ़े चार हजार से ज्यादा प्रतिबंधित नींद की गोली तथा कफ सिरप के साथ गिरफ्तार युवक को विशेष न्यायाधीश किरण थवाईत की कोर्ट ने 20 वर्ष कैद के साथ पांच लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

विशेष लोक अभियोजक भुवन लाल साहू के अनुसार कोर्ट ने टिकरापारा, ताजनगर निवासी शेख सरफराज खान उर्फ सोनू को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। गंज थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पिछले वर्ष 28 जून को घेराबंदी कर प्रतिबंधित टेबलेट के साथ कफ सिरप जब्त किया था। शेख सरफराज ने किसी दूसरे शहर से प्रतिबंधित टेबलेट के साथ कफ सिरप ट्रेन के रास्ते खरीदकर रायपुर बेचने के लिए लाया था।

औसतन हर चार दिन में तीन को सजा

कोर्ट ने फरवरी से मार्च के बीच 51 तस्करों को कैद के साथ जुर्माने की सजा सुनाई है। जिन लोगों को सजा सुनाई गई है, उनमें 2 को 20, 13 को 15, 8 को 10, 12 को 5 तथा आठ लोगों को पांच साल से कम कैद की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही मादक पदार्थ तस्कारी करने के आरोप में आधा दर्जन आरोपियों को कोर्ट ने अर्थदंड की सजा सुनाई है। मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करों को कोर्ट हर चार दिन में तीन लोगों को सजा सुना रही है।

चालान तामील करने नोडल अफसर

मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करों को कोर्ट द्वारा जारी चालान समय पर तामील हो रहा है या नहीं, इसकी मॉनिटरिंग करने पुलिस कमिश्नर ने कोतवाली के एसीपी दीपक मिश्रा को नोडल अफसर नियुक्त किया है। इसके साथ ही मादक पदार्थ तस्करी के फरार आरोपियों की जल्द से जल्द पतासाजी कर उनकी गिरफ्तारी करने पुलिस कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं।

हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

बेजुबानों की सेवा के लिए हाथ बढ़ा...

सिटी इवेंट

अग्निवीर भर्ती के लिए निशुल्क कोचिंग करने 30 अप्रैल तक ऑनलाइन पंजीयन

रायपुर। अग्निवीर भर्ती के लिए 13 फरवरी 2026 से 10 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन तिथि निर्धारित थीं। ऑनलाइन पंजीकृत आवेदकों को लिखित परीक्षा की तैयारी हेतु विभाग द्वारा निशुल्क कोचिंग दिया जाना है। कोचिंग 4 मई 2026 से 4 जून 2026 प्रस्तावित है। इच्छुक पंजीकृत आवेदक 30 अप्रैल तक रोजगार विभाग के पोर्टल- ww.erojgar.cg.gov.in/Chhattisgarh Rojgar App में अग्निवीर भर्ती 2026 की लिखित परीक्षा की तैयारी हेतु निशुल्क प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन में क्लिक कर प्रशिक्षण हेतु अपना पंजीयन करा सकते हैं अथवा अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वारोजगार मार्गदर्शन केंद्र अंबिकापुर से संपर्क किया जा सकता है।

सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर की जाएगी भर्ती

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत कुल 5000 शिक्षकीय पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इसी क्रम में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया जा रहा है। इन पदों में से 795 पद ई-संवर्ग की शालाओं तथा 1497 पद टी-संवर्ग की शालाओं में भरे जाएंगे। उक्त पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक अर्हता, आयु सीमा एवं अन्य शर्तें विस्तृत विज्ञापन में उल्लिखित रहेंगी। लोक शिक्षण संचालनालय के उपसंचालक श्री अशोक नारायण बंजारा ने बताया कि विस्तृत विज्ञापन छत्तीसगढ़ व्यापम की वेबसाइट **https://vyapamcg.cgstate.gov.in/** एवं स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट **https://edupor-tal.cg.nic.in/** पर जारी किया जाएगा तथा भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम भी व्यापम की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इन पदों हेतु लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा किया जाएगा, जिसकी संभावित तिथि 11 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

● सस्ते वीडियो गेम का दौर खत्म, अब प्ले स्टेशन, वीआरएस और 7डी गेम्स की धूम

गर्मी की छुट्टियों में गेमिंग का क्रेज, घरों में लग रहे 80 हजार तक के थ्री-डी सेटअप, इनडोर गेम जोन हुए हाउसफुल

गर्मी की छुट्टियां शुरू होने के साथ ही बाजार में वीडियो गेम्स की बिक्री एक बार फिर से बढ़ गई है। गेम्स सेंटर में बड़ी संख्या में बच्चे गेम खेलने के लिए पहुंच रहे हैं। टीवी व कंप्यूटर पर पंसदीदा गेम खेलने के लिए बाजार में कैसेट्स की भी मांग बढ़ी है। वीडियो गेम विक्रेता अभिषेक शर्मा ने बताया कि बदलते समय के साथ अब सस्ते वीडियो गेम आने बंद हो चुके हैं। अब पीएस गेम की मांग अधिक है, जिसकी कीमत 10 हजार से 80 हजार तक है। गेम के शौकीन इस गर्मी छुट्टियों में घरों में थ्रीडी गेम का सेटअप लगवा रहे हैं। इस अलावा वीआरएस गेम का क्रेज बढ़ने से बाजार में इसकी मांग भी बढ़ी है। क्रिकेट व बैटिंग गेम खेलने लोग वीआरएस खरीद रहे हैं।

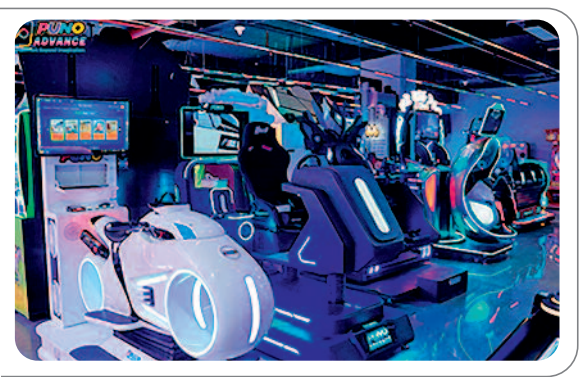

रायपुर। शहर के गेम सेंटर में घंटों के हिसाब से बच्चे व युवा पीएस गेम खेलने पहुंच रहे हैं, जिसका किराया 50 रुपए प्रति घंटा निर्धारित है। शहर के मॉल में भी गर्मी छुट्टी को लेकर खासकर बच्चों और युवाओं के लिए इनडोर गेम और गेमिंग जोन स्थापित किया गया है, जहां हर दिन बढ़ी संख्या में दोस्तों व परिवार के साथ लोग पहुंच रहे हैं। गेमिंग जोन की खास बात यह भी है कि यहां एक जगह पर 30 से अधिक देशी व विदेशी गेम्स की सुविधा है। इसमें 7डी से लेकर वीआरएस गेम और बुल राइडिंग, ट्रैम्पोलिन जंपिंग, कमांडो नेट जैसे एडवेंचर गेम्स का हर वर्ग के लोग लुत्फ उठा रहे हैं।

कमांडो नेट में कर रहे एडवेंचर

विधानसभा रोड स्थित गेम जोन में अब बड़ी संख्या में बच्चे शाम व सुबह के वक्त पहुंच रहे हैं। यहां एडवेंचर गेम्स में जहां युवा हवा से बातें करते नजर आए तो वहीं बच्चे भी बुल राइडिंग, बंजी जंपिंग का लुत्फ उठा रहे हैं। कमांडो नेट में चढ़ाई कर बच्चे ऊंचाई से चढ़ने का अपना डर दूर कर रहे हैं। इसके अलावा स्पोर्ट्स की विभिन्न गतिविधियों सेर युवा खुद को फिट रख रहे हैं। अधिक गर्मी और उमस में मैदानी गतिविधियां बंद होने से खेल के शौकीन मॉल और इनडोर गेमिंग जोन की ओर रुख कर रहे हैं, जो बच्चों को ज्यादा लुभा रहे हैं। इसी के चलते अब तेजी से इंडोर गेम जोन की संख्या में इजाफा भी हो रहा है।

टाइम मशीन से देख रहे दूसरी दुनिया

मैग्नेटो मॉल में फिल्मों की तर्ज पर वीआरएस टाइम मशीन गेम स्थापित किया गया है। आंखों में वीआरएस लगाकर दूसरी दुनिया का भ्रमण कर रहे हैं। मॉल में इसकी मांग इन दिनों अधिक है। 200 से 500 रुपए तक इसका शुल्क है। इसके अलावा बच्चों के बीच 3डी रूम और बड़ों के लिए वीआरएस व 7डी रूम डिजाइन किया हुआ है। यहां बाइक और कार व बैटल से जुड़े रियलिस्टिक गेम अधिक पसंद किए जा रहे हैं। इन गेम जोनों में पहले से बुकिंग की सुविधा भी दी जा रही है। बुजुर्गों के लिए स्पिनर गेम है। इसमें मशीन में एक पंखा लगा होता है, जिसके चारों ओर स्कोर रील घूमती है। पंखे को हाथ की मदद से घुमाया जाता है। पंखे के घूमने के साथ रील भी घूमने लगती है। पंखा के बंद होते ही रील रुक जाती है। निर्धारित चिन्ह के सामने वाला रील का नंबर स्कोर में ऐड हो जाता है।

ज्यादातार खेल विदेशी

शहर के गेमिंग जोन में सबसे अधिक विदेशी गेम्स खेले जा रहे हैं, जिसमें वीआरएस और बुल राइडिंग, ट्रैम्पोलिन जंपिंग जैसे अन्य गेम शामिल हैं। गेम जोन के संचालकों का कहना है कि बीते पांच सालों में नए टेक्नोलॉजी के गेम्स का क्रेज तेजी से बढ़ा है। देशी गेम्स को कम पसंद किया जा रहा है। इसलिए अब ज्यादातर गेम्स विदेशी है। मॉल में भी बच्चों के लिए फिजिकल एक्टिविटी वाले विदेशी गेम्स अधिक हैं। इससें गेम को खेलने वालों को रियल लाइफ एक्सपीरियंस का अनुभव होता है। इसी वजह से इन गेम्स में बिजली की गड़गड़ाहट, पानी की बौछारें, एयर बबल, धुआं और बर्फीली वादियों का इफेक्ट होता है।

डिजिटल गेम युवाओं की पहली पसंद

गेमिंग जोन में हॉट शॉट और पॉवर बॉल को अधिक पसंद किया जा रहा है। हॉट शॉट डिजिटल गेम है, जिसमें एक बड़ी स्क्रीन होती है और एक पानी की बौछार करने वाली वॉटरगन होती है। स्क्रीन के अलग-अलग कोनों पर आग के गोले गिरते रहते हैं, जिसे वॉटरगन की मदद से बुझाना होता है। इसके अलावा पॉवर बॉल में एक मशीन में पॉवर बॉल लगी होती है, जिसके सामने अलग-अलग स्कोर के ढांचे कटे होते हैं। पॉवर बॉल को उस स्पीड से फेंका जाता है, जिससे वह ज्यादा से ज्यादा स्कोर वाले ढांचे तक जाकर सेट हो जाए।

सिटी इवेंट

गर्मी से पौधों को बचाने ग्रीन नेट, स्प्रे सिंचाई व नारियल के रेशे का स्मार्ट जुगाड़

रायपुर। अप्रैल का महीना आते ही सूरज अपने तेवर बदलने लगता है और इसका सीधा असर हमारे घर-आंगन में लगे पौधों और बगीचे पर दिखने लगता है। जैसे-जैसे पारा चढ़ता है। गमलों की मिट्टी पत्थर जैसी सख्त होने लगती है और हरे-भरे पौधे दोपहर की चिलचिलाती धूप में मुरझाने लगते हैं। ऐसे में गार्डनिंग प्रेमी पौधों को गर्मी के प्रभाव से बचाने तरह-तरह के उपाय अपना रहे हैं। शहर के जाने-माने पर्यावरणविद मोहन वर्त्यानी का कहना है कि घर में बालकनी, टैरेस और होम गार्डन के आउटडोर व इंडोर पौधों को गर्मी के दिनों में तापमान से सुरक्षित रखने विशेषज्ञों से परामर्श लेना जरूरी है, खासकर उन लोगों को, जिन्होंने नई-नई गार्डनिंग की है। इस मौसम में पौधों को सिर्फ पानी देना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें लू और तपिश से बचाने के लिए एक कूलिंग स्ट्रेटेजी तैयार करनी बहुत जरूरी है। सही समय पर की गई थोड़ी-सी मेहनत हरे-भरे गार्डन को जून की गर्मी में भी हरा-भरा रखने में मददगार साबित होगी। गर्मी के दिनों में गार्डन के पौधों की देखभाल करने बागवानी विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और प्रकृति प्रेमियों से हरिभूमि ने बात की, जो गर्मी में तेज तापमान में अपने घर के गार्डन के पौधे को सुरक्षित रख रहे हैं।

पानी देने का सही टाइम सुबह 8 व शाम 5.30 बजे

गर्मी बढ़ते ही पौधों की प्यास बढ़ जाती है, लेकिन बेवक्त पानी देना फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। हमेशा कोशिश करें कि पौधों को सुबह सूरज निकलने से पहले या शाम को ढलने के बाद ही पानी दें। इससे पौधों के जड़ों को नमी सोखने का पूरा वक्त मिलेगा। दोपहर की धूप में पानी देने से बचें, क्योंकि गर्म मिट्टी पर पानी पड़ने से जड़ें शॉक में जा सकती हैं और पत्तियां झुलस सकती हैं। गमलों की नमी बरकरार रखने के लिए मल्चिंग का सहारा लें, यानी मिट्टी की ऊपरी सतह को सूखे पत्तों, घास या लकड़ी के बुरादे से ढक दें। यह लेयर एक नेचुरल सनस्क्रीन की तरह काम करती है, जो सूरज की सीधी किरणों को मिट्टी तक पहुंचने से रोकती है और पानी को जल्दी उड़ने नहीं देती।

सही छंटाई की स्मार्ट ट्रिक भी अपनाई

शहर की हरियाली दीदी पुष्पा साहू का कहना है कि अप्रैल की बढ़ती धूप नाजुक फूलों और नए पौधों को हानि पहुंचा सकती है, इसलिए उन्हें सीधी धूप से बचाना बहुत जरूरी है। ऐसे में मैंने अपने टैरेस गार्डन में ग्रीन नेट लगवाई है, जो धूप को फिल्टर करके पौधों को डायरेक्ट गर्मी के प्रभाव से बचा रही है। वहीं जिन पौधों की पत्तियां पीली या भूरी होकर जलने लगी हैं, उन्हें तुरंत घर की पोर्च की छायादार जगह पर शिफ्ट करा दिया है। पौधों की प्रूनिंग यानी छंटाई भी समय पर करती हूं। सूखी और बीमार टहनियों को काटकर हटा रही हूं, जिससे पौधा अपनी पूरी एनर्जी नई ग्रोथ में लगा सके। समय-समय पर छंटाई करने से पौधे घने होते हैं और उनमें नई कलियां और फूल आने की जगह बनती है, जिससे गर्मी में भी घर का गार्डन भरा-भरा बना रहता है।

पत्रकारिता शब्दों को निखारने की कला, समाज में छवि निर्माण की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का 22वां स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को विश्वविद्यालय के सभागृह में आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर प्रो. रवि आर. सक्सेना कुलपति महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि आर. कृष्णा दास सलाहकार मुख्यमंत्री छग और प्रभात मिश्र अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग रहे। विश्वविद्यालय की स्वर्णिम उपलब्धियों पर कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि प्रो. सक्सेना ने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकारिता शब्दों को निखारने की कला है और यह समाज में छवि निर्माण की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने पत्रकारिता लेखन को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि आज के दौर में विषयों की गहराई को समझते हुए संवेदनशील लेखन की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से कृषि पत्रकारिता, क्लाइमेट चेंज और किसानों से जुड़े मुद्दों पर लेखन की चुनौतियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसानों तक सही समय पर सही जानकारी पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. सक्सेना ने कहा कि विचारों से ही समाज का निर्माण होता है, इसलिए पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

पत्रकारिता की मौलिकता को बनाए रखने पर दिया जोर

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय के 21 वर्ष पूर्ण हो चुके है। उन्होंने पत्रकारिता की मौलिकता को बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि बदलते समय में भी मूल्यों का संरक्षण जरूरी है। विद्यार्थियों को अपनी स्ट्रेंथ और वीकनेस की पहचान करने की सलाह देते हुए उन्होंने आत्मविश्लेषण को सफलता की कुंजी बताया।

एनआईटी में हिंदी पत्रिका अस्मिता के तीसरे संस्करण का अनावरण

रायपुर। एनआईटी में हिंदी भाषा के महत्व को प्रसारित करती वार्षिक पत्रिका अस्मिता के तीसरे संस्करण के विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरुवार को यह आयोजन संस्थान की राजभाषा समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटी के निदेशक डॉ. एनवी रमना राव रहे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. संजय कुमार ने सभी उपस्थित अतिथियों के स्वागत के साथ की। अपने संबोधन में डॉ. रमना राव ने कहा कि अस्मिता विमोचन का यह दिन अत्यंत हर्ष और गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका दर्शाती है कि हमारी भाषा एवं हमारी विचारधारा अभी भी जीवित और जागृत है। इसके बाद सभी अतिथियों ने राजभाषा समिति की पत्रिका अस्मिता का विमोचन किया। इसके बाद डॉ. मुक्ति, डॉ. रामटेककर एवं विद्यार्थियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं, जिसका सभी ने आनंद लिया। इस आयोजन में एनआईटी के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. मनोज चोपकर, डीन डॉ. जीडी रामटेककर, मैकेनिकल डिपार्टमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सूरज कुमार मुक्ति उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूलों में गरीब परिवारों के प्रतिभावान बच्चों की पहचान कर उठा रहे पढ़ाई-लिखाई का पूरा खर्च

'बढ़व संगवारी' : आर्थिक तंगी में उलझी प्रतिभाओं को दिया सहारा, 9 साल में 93 बच्चों का भविष्य संवारा

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर की एक संस्था ने गरीब परिवारों के बच्चों के भविष्य को संवारने का बीड़ा उठाया है। बढ़व संगवारी नाम की यह संस्था ऐसे परिवार के बच्चों के सपनों को साकार कर रही हैं, जिनकी पढ़ाई-लिखाई में आर्थिक तंगी रोड़ बनी हुई है। बढ़व संगवारी की कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मीरा बघेल ने बताया कि यह संस्था पिछले 9 वर्षों से गांव-शहर के सरकारी स्कूलों में जाकर आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं की पहचान कर रही है, जो सही मायने में प्रतिभावान हैं, लेकिन गरीबी परिस्थिति के चलते अपने सपने के अनुरूप पढ़ाई-लिखाई करने में दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे में बढ़व संगवारी के 205 से अधिक कार्यकारीणी सदस्य प्रदेशभर के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं की काउंसिलिंग कर उनकी पहचान कर रहे हैं। इसके बाद पात्र व जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को उनकी पढ़ाई-लिखाई के पूरे खर्च में सहयोग कर रहे हैं। पिछले 9 वर्षों में संस्था के सहयोग से 93 गरीब परिवारों के प्रतिभावान बच्चों का भविष्य संवरा है। इस संस्था में ज्यादातर सदस्य 65 वर्ष आयुवर्ग के हैं, इनमें रिटायर्ड अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी व समाजसेवा से प्रेरित आम नागरिक शामिल हैं। संस्था के उपलब्धियों व सेवाभाव को देखकर अब इससे युवावर्ग के सक्षम लोग भी जुड़कर सदस्य बन रहे हैं और बढ़व संगवारी के पवित्र उद्देश्य को बल प्रदान कर रहे हैं।

पोस्ट मास्टर बनीं गरीब परिवार की बेटी

खरोरा निवासी कृति वर्मा एक आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से थीं, स्कूल से लेकर आगे की पढ़ाई-लिखाई में आर्थिक तंगी रोड़ा बन रही थी। ऐसे में बढ़व संगवारी संस्था उनके स्कूल में मददगार बनकर पहुंची और कृति की पढ़ाई पूरी करने में मदद की। इससे आज कृति खरोरा में ही पोस्ट मास्टर की पोस्ट पर पदस्थ होकर अपने सपने को साकार की है।

कला जत्था में काम करने वाले के बेटे को भाभा साइंस सेंटर तक पहुंचाया

तिल्दा के सरोरा गांव के पुनीतराम वर्मा कला जत्था में काम कर अपने परिवार का पालन पोषण करते थे। आर्थिक रूप से कमजोर इस परिवार के बेटे मनीष वर्मा को बढ़व संगवारी के सदस्यों ने गांव के स्कूल में उनकी प्रतिभा पहचान कर उसकी पढ़ाई-लिखाई में आर्थिक मदद की, जिससे मनीष ने मद्रास आईआईटी से अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और आज मनीष भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में साइंटिस्ट के रूप में कार्यरत हैं।

फाइन आर्ट व पेंसिल आर्ट की पढ़ाई पूरी कर बने प्रसिद्ध आर्टिस्ट

छात्र गणेश साहू और छात्रा रीना धीवर आज फाइन आर्ट व पेंसिल आर्ट के जाने-माने आर्टिस्ट के रूप में खुद को पहचान देने के सपने को साकार किए हैं। छात्र गणेश साहू को बढ़व संगवारी के सदस्यों ने स्कूल से लेकर फाइन आर्ट में इंदिरा कला-संगीत विश्वविद्यालय से पढ़ाई पूरी कराई। वहीं रीना धीवर को भी पेंसिल आर्ट तक की पढ़ाई पूरी करने में मदद की। इससे इन दोनों की प्रतिभा को आज एक पहचान मिली है।

पार्थ बने एसईसीएल के असिस्टेंट मैनेजर

बलौदाबाजार के मोहरा गांव के गरीब परिवार से आने वाले पार्थ वर्मा वर्तमान में मनेंद्रगढ़ एसईसीएल कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर बनकर अपना भविष्य उज्ज्वल किए हैं। बढ़व संगवारी ने पार्थ की प्रतिभा को पहचान कर उन्हें स्कूल से लेकर ग्रेजुएशन तक पढ़ाई में आर्थिक मदद की, जिससे पार्थ अपने सपने को साकार कर अपने भविष्य को संवारने में कामयाब रहे।

● सदन में पेश महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के विधेयक को लेकर प्रबुद्ध महिलाओं ने रखी अपनी बात

विधेयक पास होने से बढ़ेगी भागीदारी, महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर, शासन-प्रशासन में दखल बढ़ने की आस

रायपुर। संसद के सदन के विशेष सत्र में पेश किए गए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देते हुए उनकी सहभागिता बढ़ाने के मसौदे को लेकर आधी आबादी ने भी मंथन शुरू किया है। इस विधेयक को लेकर शहर की प्रबुद्ध महिलाओं की उम्मीद बढ़ी है। उनकी आस इसलिए जगी है, क्योंकि सदन की सीटों में इजाफा होने और आरक्षण मिलने से सरकार में ही नहीं, बल्कि प्रशासन में भी दखल बढ़ेगी। इसको लेकर डॉक्टर, वकील, व्यवसायी और शिक्षिकाओं का भी मत है कि इसे लागू करने में बहुत ज्यादा समय लगा दिया गया, अब इसे सदन में सहमति मिलनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो निश्चित तौर पर विकास की रफ्तार बढ़ेगी। घर-परिवार और समाज की धूरी कहलाने वाली महिलाएं विधेयक में तय प्रावधानों को लेकर आश्वस्त हैं। महिलाओं का एक वर्ग ऐसा भी है, जो इस विधेयक को कुछ वर्षों के लिए ही अमल में लाने की पैरवी कर रहा है। उनका मत है कि समय की बाध्यता के साथ आरक्षण विधेयक को पास किया जाना चाहिए।

पहले कार्यकाल में पास होना था विधेयक

सौंदर्य वैज्ञानिक डॉ. रूना शर्मा ने बताया कि महिला आरक्षण के मसौदे को कई वर्षों से अटकाकर रखा गया। इस विधेयक को बहुत पहले लागू किया जाना था। पीएम नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में ही महिलाओं ने इस दिशा में बेहतर निर्णय लिए जाने की आस जताई, लेकिन अब एक बार फिर से इस मुद्दों को सदन में लाने का प्रयास सफल होना चाहिए। महिलाएं अगर देश की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, प्रशासनिक व्यवस्था बनाने में सहभागिता निभा रही हैं तो उन्हें हर क्षेत्र में आरक्षण के आधार पर प्राथमिकता का अधिकार मिलना चाहिए।

आरक्षण मिलने से ही तय होगी भागीदारी

शिक्षिका मेनका दुबे का मत है कि आरक्षण का उद्देश्य किसी को योग्यता के बिना आगे बढ़ाना नहीं है, बल्कि बराबरी का अवसर देना है। जब शुरुआत में मंच ही बराबर नहीं होता तो प्रतिस्पर्धा भी निष्पक्ष नहीं हो सकती। इसलिए कुछ समय के लिए आरक्षण जरूरी हो जाता है, ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार समाज में कई परिवर्तन हुए हैं। पहले तो महिलाओं को द्वितीय श्रेणी का दर्जा दिया जाता था, लेकिन आज महिलाएं शिक्षित होकर विभिन्न क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। आरक्षण मिलने से भागीदारी तय होगी।

सदन में महिलाओं के मुद्दे भी रखे जाएंगे

गृहिणी सुनीता अग्रवाल ने बताया कि सदन में अभी महिलाओं की सुरक्षा, उनसे जुड़ी समस्याओं पर चर्चा भी नहीं होती। आरक्षण का लाभ मिलने से नारी शक्ति की बात सदन में होगी। अभी कुछेक प्रतिनिधि मसले को लेकर बात करने का प्रयास जरूर करते हैं, पर उनको सफलता नहीं मिलती। महंगाई की मार, शिक्षा पर बढ़ता मनमाना भार, असुरक्षा की स्थिति में घटना होने पर ही चर्चा होती है।

एक समयसीमा के लिए लागू होना चाहिए

एडवोकेट संगीता शर्मा ने आरक्षण को लेकर कहा कि इसे बहुत पहले ही लागू किया जाना था, कभी विपक्ष और कभी सत्तापक्ष ने आधी आबादी की हर क्षेत्र में भागीदारी तय करने को लेकर प्रस्तुत किए गए विधेयक में रोड़ा अटकाया। अब एक बार फिर इस विधेयक को सदन में लाए जाने से सरगर्मी बढ़ी है। आरक्षण विधेयक को लागू करने के साथ ही इसके लिए एक समयसीमा तय की जानी चाहिए।इससे महिलाओं की सहभागिता का ग्रॉफ लेबल जांचने में मदद मिलेगी, साथ ही तय समय में कितनी भागीदारी मिली, इसका मूल्यांकन भी होगा।

कुछ समय के लिए आरक्षण आवश्यक

सोशल एक्टिविस्ट अर्चना कुरें ने बताया कि सरकार द्वारा दिए जा रहे रोजगार के अवसर की तरह आरक्षण में भी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी तय होनी चाहिए। महिला आरक्षण विधेयक के प्रति जागरूकता बढ़ने से काम के प्रति उनकी लगन सुदृढ़ होगी। आज महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियों के साथ शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, राजनीति और तकनीकी क्षेत्र में भी बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं। इसलिए, महिलाओं के लिए आरक्षण एक सहायक उपाय के रूप में कुछ समय के लिए आवश्यक है, जिसे परिस्थितियों के अनुरूप परिवर्तित होना चाहिए।

विकास की रफ्तार तेज होगी, बढ़ेगा मान

बिंदु अग्रवाल ने कहा कि घर-परिवार और समाज में अब महिलाओं के प्रति सम्मान का भाव तो बढ़ा है, लेकिन राजनीति में महिलाएं बहुत कम दिखाई देती हैं। आरक्षण लागू होने से सहभागिता के साथ ही आत्मविश्वास में भी इजाफा होगा। एक गृहिणी होने के नाते महसूस करती हूं, कि बेटियों की सुरक्षा, उनकी उच्च शिक्षा और सत्ता में स्थान अपेक्षा के अनुरूप मिलेगा, इससे विकास की रफ्तार तेज होगी।

चहुंमुखी विकास में भी बढ़ेगी सहभागिता

स्वरोजगार से जुड़ी रिमता सिंह ने विधेयक को लेकर कहा कि इसे पास करने में बहुत विलंब किया जा रहा है। कभी सत्तापक्ष ने इसे प्रस्तुत करने में रुचि नहीं ली, अब इसे लागू करने की चर्चा ने एक बार भी महिलाओं को आरक्षण देने पर जोर दिया है। अगर विधेयक पास होता है तो इसका फायदा भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि इससे नारी शक्ति को चहुंमुखी विकास में सहभागिता निभाने का अवसर भी मिलेगा। इससे घर-परिवार चलाने वाली महिलाओं के साथ ही अलग-अलग क्षेत्र में सेवा देने वाली महिलाओं को एक प्रतिनिधित्व मिलेगा।

बेजुबानों की सेवा के लिए हाथ बढ़ा रहे युवा कोटना-सकोरे बांट दाना-पानी देने का आग्रह

गर्मी से तपिश के साथ ही सरोकार से जुड़ी संस्थाओं के युवाओं की दखल अब सेवा के क्षेत्र में बढ़ने लगी है। बेजुबान पशु-पक्षियों को राहत देने के लिए कालोनियों, बाजारों और मुख्य मार्गों के पास दाना और पानी देने के लिए कोटना, सकोरे के साथ दाना पैकेट वितरण करने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस क्षेत्र में संस्था बढ़ते कदम ने मानव सेवा के साथ बेजुबान पक्षियों और पशुओं की सेवा के लिए भी प्रयास तेज किया है।

गर्मी बढ़ने के साथ ही सरोकार से जुड़ी संस्थाओं ने शुरू की पहल, सहभागिता निभाने आगे आ रहे नागरिक

रायपुर। प्रोजेक्ट प्रभारी प्रेमप्रकाश मध्यानी एवं अजय वलेचा ने बताया कि इस साल भी संस्था द्वारा रायपुर में विभिन्न स्थानों पर स्टाल लगाकर दाना, सकोरा और कोटना का निशुल्क वितरण किया जा रहा है। हम लोगों से अपील भी करते हैं कि आप भी बेजुबान पशु, पक्षियों की सेवा करने का भाव रखें। संस्था के देवेंद्र नगर मुक्तिधाम स्थित कार्यालय से किसी भी समय आकर दाना, सकोरा एवं कोटना निशुल्क प्राप्त कर सकते है।

हर साल बांटते हैं 500 सकोरे-कोटना

बेजुबानों के लिए एनिमल वाटिका का संचालन करने वाली कस्तूरी बल्लाल ने बताया कि हर साल सैकड़ों स्ट्रीट डॉग्स, गोमाता को घायल अवस्था में लाने के बाद इलाज कराने के साथ उनकी सेवा करते हैं। साथ ही गर्मी शुरू होने पर हर सीजन में कोटना, सकोरा और दाना वितरित करने के लिए पहल करते हैं। इस बार भी 500 से अधिक कोटना और सकोरा वितरण का लक्ष्य तय किया गया है। संस्था से जुड़े युवाओं की एक टीम सार्वजनिक स्थानों पर बेजुबानों की सेवा के लिए जरूरी सामग्री भी लोगों तक पहुंचाने का दायित्व निभा रही है। इस साल भी देवपुरी और तूता सहित आसपास मुख्य मार्गों पर छायादार स्थानों पर पानी उपलब्ध करा रहे हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में दानी-पानी देने बना रहे हैं व्यवस्था

संस्था के अध्यक्ष सुनील छतवानी एवं महासचिव सुनील पेशवानी नें बताया कि विगत 17 वर्षों से संस्था द्वारा लगभग 90000 सकोरे एवं दाने के पैकेट और 11000 कोटना का वितरण अभी तक किया है। संस्था जनमानस से अपील करती है कि अपने घर की छत, मुंडेर, आंगन एवं ऑफिस, दुकान में प्रतिदिन पक्षियों को भीषण गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए दाना-पानी की व्यवस्था खुद सेवाभाव से करें और दूसरे लोगों को भी इस काम के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि कटोरा तालाब, पंजाबी कालोनी, शैलेंद्र नगर, टैगोर नगर, पुरानी बस्ती सहित समता कालोनी में भी बेजुबानों को राहत देते हुए दाना-पानी देने के लिए इंतजाम किया गया है।

मंदिरों की रक्षा के लिए होगी 'मंदिर महासंघ' की स्थापना

रायपुर। मंदिर हिंदू धर्म के मूलभूत आधारशिला और चैतन्य स्रोत हैं। इसके लिए सभी मंदिर न्यासियों, पुजारियों और पुरोहितों का प्रभावी संगठन बनाने, मंदिरों के प्रबंधन, सुरक्षा और मंदिरों को सनातन धर्म प्रचार का केंद्र बनाने के उद्देश्य से 'मंदिर महासंघ' अब छत्तीसगढ़ राज्य में विस्तारित हो रहा है। इस संदर्भ प्रदेश के 80 से अधिक मंदिरों के न्यासियों की बैठक हुई है। निर्णय लिया गया है कि अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर 19 अप्रैल को 'मंदिर महासंघ छत्तीसगढ़' की औपचारिक स्थापना की जाएगी। जून महीने में

राज्यस्तर पर एक भव्य 'मंदिर न्यास परिषद' बनाया जाएगा। मंदिर महासंघ के राष्ट्रीय संघटक सुनील घनवट ने गुरुवार को यह जानकारी प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता के दौरान दी। मंदिर महासंघ के रायपुर जिला संयोजक मदन मोहन उपाध्याय, सह-संयोजक प्रवेश तिवारी ने बताया कि अब तक महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में 17000 से अधिक मंदिर, न्यासी और पुजारी इस महासंघ से जुड़ चुके हैं।

'एन्टी लैंड ग्रैबिंग एक्ट' लागू किया जाए

मंदिर महासंघ का मुख्य ध्येय सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों को मुक्त करते हुए उन्हें भक्तों को सौंपना है। साथ ही मंदिरों की पवित्रता बनाए रखने के लिए वहां 'वस्त्र संहिता' (ड्रेस कोड) लागू करना और मंदिर संस्कृति पर होने वाले हर आघात का संवैधानिक तरीके से उत्तर देना ही आगामी दिनों में महासंघ की प्राथमिकता है। महासंघ ने सरकार से मांग की है कि मंदिरों और मठों की हड़पी गई भूमि को मुक्त कराने के लिए कठोर 'एन्टी लैंड ग्रैबिंग एक्ट' लागू किया जाए और वक्फ बोर्ड के अवैध कब्जे से मंदिरों की भूमि छुड़ाई जाए। भक्तों द्वारा दान में दी गई भूमि पर लगने वाले 'मुद्रांक शुल्क' (स्टैम्प ड्यूटी) को पूर्णतः समाप्त करने की बात उन्होंने रखते हुए इसके लिए प्रयास करने की जानकारी दी। मदनमोहन उपाध्याय ने आगामी दिनों में किए जाने वाले बेहतर प्रयास के संदर्भ में अपनी बात रखी।

विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने बाल संस्कार शिविर की तैयारी

रायपुर। आध्यात्मिक समिति की ओर से ग्रीष्मकालीन अवकाश पर विद्यार्थियों के लिए अब ऑनलाइन बाल संस्कार शिविर शुरू होने वाला है। महाराष्ट्र मंडल द्वारा किए जाने वाले आयोजन के दूसरे वर्ष भी रायपुर के अलावा छत्तीसगढ़ के तमाम शहरों-कस्बों के ऐसे बच्चों को इसमें शामिल किया जाएगा, जिनके अभिभावक उन्हें अच्छे संस्कार देने के इच्छुक हों। आध्यात्मिक समिति की समन्वयक आस्था काले ने बताया कि करीब 40 दिन चलने वाले शिविर में बच्चों को न केवल रामरक्षा स्त्रोत, हनुमान चालीसा, विष्णु सहस्त्रनाम, गीता का 12वां अध्याय सहित विविध मंत्रोच्चार सिखाए और याद कराए जाएंगे। इसके अलावा व्यायाम, योग, ड्राइंग, पेंटिंग, संगीत और इनडोर गेम्स से जोड़ने के लिए 1 मई से ऑनलाइन बाल संस्कार शिविर लगाया जाएगा। जिसमें बच्चे की रुचि हो, उस विधा में पारंगत करने बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हर सेगमेंट के लिए होंगे प्रशिक्षक : शिविर के ऑफलाइन समापन समारोह में बच्चों को मंच पर कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, जिसे ऑनलाइन शिविर के दौरान उन्होंने सीखा है। शिविर में प्रत्येक सेगमेंट के लिए अलग-अलग प्रशिक्षक अथवा प्रशिक्षिकाएं होंगी। समिति की प्रमुख सृष्टि दंडवते व आकांक्षा गद्दे ने बताया कि शिविर में शामिल होने वाले बच्चों को सनातन संस्कृति के अनुरूप जमीन पर पंगत लगाकर भोजन कराया गया था। इस बार भी शिविर के समापन समारोह को गरिमामय बनाने का प्रयास होगा। आध्यात्मिक समिति की संध्या खंगन ने बताया कि गत वर्ष ऑनलाइन शिविर में करीब 125 बच्चों की भागीदारी थी। इस साल हमारा प्रयास इस संख्या को 300 से ऊपर ले जाने का है।

Pg-03 city_Layout 1 4/17/2026 12:33 AM Page 1

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-23 में ईस्ट और वेस्ट जोन की जीत

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित अंडर-23 सिलेक्शन मैच के चौथे एवं अंतिम दिन विभिन्न टीमों के बीच मुकाबले हुए। बीएससी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम नॉर्थ जोन विरुद्ध ईस्ट जोन के मैच में परिणाम ईस्ट जोन ने 64 रन से जीता। बल्लेबाजी में नॉर्थ जोन ने दूसरी पारी कल के अपने स्कोर एक विकेट पर चार रन से आगे खेलते हुए 204 रन बनाए और टीम आउट हो गई। कप्तान विकल्प तिवारी ने 83 रन, जितेश वर्मा ने 33 रन और वी वैभव ने 27 रन बनाएं। गेंदबाजी में ईस्ट जोन के आशीष कोरी ने 5 विकेट और अंकित कुमार ने तीन विकेट लिए।

आरडीसीए रायपुर में टीम वेस्ट जोन विरुद्ध साउथ जोन में वेस्ट जोन ने 12 रन से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में साउथ जोन टीम दूसरी पारी अपने कल के स्कोर 6 विकेट पर 81 रन से आगे खेलते हुए 130 रन बनाकर आउट हो गई। एरिन द्विवेदी ने 18 रन और प्रथम जाचक ने 16 रन बनाए। गेंदबाजी में वेस्ट जोन के प्रशांत सिंह ने चार विकेट, भारत गोंडवानी ने तीन और भविष्य थपियाल ने दो विकेट लिए।

वूमेंस अंडर-19 में साउथ जोन और ईस्ट जोन ने जीते अपने-अपने मैच

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित वूमेंस अंडर-19 टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता जारी है। मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में साउथ जोन विरुद्ध नॉर्थ जोन में परिणाम साउथ जोन ने 24 रन से जीता। बल्लेबाजी में साउथ जोन चार विकेट पर 155 रन बनाए। जिसमें आकांक्षा रानी ने 62 रन, नम्रता वर्मा ने 33 रन, महक नरवसे एवं गीत डहरिया ने 24 -24 रन बनाएं। गेंदबाजी में नॉर्थ जोन की दीपिका भगत ने दो विकेट ,अनुष्का एवं संयोगिता साहू ने एक-एक विकेट लिए।

कहीं खराब तो नहीं हो रहा आपका लिवर, तुरंत कराएं जांच

पेट में अक्सर बना रहता है भारीपन और पैरों में रहती है सूजन, तो अपने लिवर की सेहत को लेकर हो जाएं चौकन्ना

अल्कोहल के अत्यधिक सेवन, मोटापे, हाई कोलेस्ट्रॉल और टाइप 2 डायबिटीज की वजह से फैटी लिवर का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। कुछ सालों पहले तक फैटी लिवर की बीमारी मुख्य रूप से वृद्धों को प्रभावित करती थी, लेकिन अब यह 20 और 30 की उम्र के युवाओं को भी प्रभावित कर रही है। लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को काफी बढ़ा दिया है। इसका संपूर्ण स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लिवर-किडनी सहित कई अंगों की बढ़ती बीमारियों के लिए भी इसे एक कारण माना जा सकता है।

लिवर की बढ़ती बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ अलर्ट करते हैं। लिवर से संबंधित समस्याओं पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। लिवर की बढ़ती बीमारियों के बारे में लोगों को अलर्ट करने और इससे बचाव को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर कहते हैं, युवाओं में फैटी लिवर की दिक्कत तेजी से बढ़ती जा रही है। फैटी लिवर (हेपेटिक स्टीटोसिस) होने पर लिवर की

कोशिकाओं में अतिरिक्त फैट जमा हो जाता है। सही इलाज न मिलने पर यह बीमारी फाइब्रोसिस, सिरोसिस और यहां तक कि लिवर कैंसर का रूप ले लेती है। इसके गंभीर मामलों में लिवर सामान्य काम करना बंद कर देता है, जिसके बाद लिवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प बचता है। इस बीमारी का कोई सटीक उपचार नहीं हैं, लेकिन जीवनशैली और खानपान में कुछ बदलाव करके इसके नुकसान को रोकने या ठीक करने में मदद मिल सकती है।

क्यों बढ़ती जा रही है लिवर की ये समस्या

अल्कोहल के अत्यधिक सेवन, मोटापे, हाई कोलेस्ट्रॉल और टाइप-2 डायबिटीज की वजह से फैटी लिवर का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। इसके अलावा अधिक मात्रा में तेल और वसा युक्त भोजन करने, शरीर का वजन अधिक होने, इंसुलिन प्रतिरोध होने पर, रक्त में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का उच्च स्तर, तेजी से वजन कम होने से भी फैटी लिवर हो सकता है।

कहीं आपको भी तो नहीं हो रही हैं ये दिक्कतें

फैटी लिवर होने पर पेट के ऊपरी दाहिने भाग में हल्का दर्द या बेचैनी महसूस हो सकती है। इसके अलावा पेट में भारीपन और जल्दी थकान एवं कमजोरी महसूस करना, भूख न लगना, त्वचा और आंखों का पीला पड़ना, वजन कम होना, पीलिया, पेट, पैरों और पंजों में सूजन दिखाई दे सकती है। यदि आप इन लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं तो चिकित्सक से सलाह जरूर लें। फैटी लिवर से बचने के लिए आप फल, सब्जियां, साबुत अनाज, प्रोटीन और स्वस्थ वसा से भरपूर संतुलित आहार का सेवन करें। मीठे पेय पदार्थों, मिठाइयों और उच्च ट्रांस वसा वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें। फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे- फलियां, और साबुत अनाज लिवर की कार्यप्रणाली को

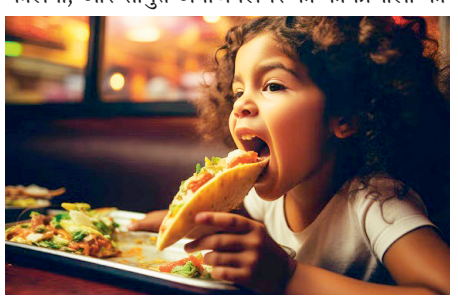

बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा एवोकाडो, नट्स, बीज को आहार में शामिल करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। अधिक से अधिक ताजा जूस, जैसे- नारियल पानी या नींबू पानी पीएं।

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए इन बातों पर भी दें ध्यान

तेजी से वजन घटाने से फैटी लिवर की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए आहार और व्यायाम से प्रति सप्ताह 1-2 पाउंड वजन धीरे-धीरे और स्थायी रूप से घटाने का लक्ष्य रखें। शरीर के वजन में 5-10 प्रतिशत की कमी भी लिवर के स्वास्थ्य में काफी सुधार कर सकती है। इसलिए धीरे-धीरे वजन घटाने के तरीकों को अपनाएं। नियमित व्यायाम, जैसे-तेज चलना, साइकिल चलाना या तैराकी जरूर करें। अल्कोहल का सेवन न करें। दवाओं का इस्तेमाल निर्देशानुसार करें और उन दवाओं से बचें, जो लिवर को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

आपकी वर्कआउट परफार्मेंस को बेहतर बना सकता है मेडिटेशन

अगर आप अपनी वर्कआउट परफार्मेंस को बेहतर बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आपको हर दिन मेडिटेशन भी जरूर करना चाहिए। इससे यकीनन आपको काफी फायदा मिलेगा।

जब भी वर्कआउट परफार्मेंस को बेहतर बनाने की बात आती है, तो लोग सबसे पहले अपनी डाइट, सप्लीमेंट्स या फिर एक्सरसाइज़ रूटीन को बदलने पर फोकस करते हैं। लेकिन वर्कआउट परफार्मेंस को बेहतर बनाने का एक ऐसा असरदार तरीका भी है, जिसके बारे में अधिकतर लोग जानते ही नहीं हैं या फिर जानकर भी उसे नजरअंदाज कर देते हैं। जी हां, यह तरीका है मेडिटेशन।

मेडिटेशन को अमूमन आत्मिक शांति के लिए जाना जाता है, लेकिन यह बहुत ज्यादा पावरफुल है। साधारण-सा नजर आने वाला मेडिटेशन, जिसमें आप बस शांति से बैठकर सांसों पर ध्यान देते हैं, वास्तव में आपके लिए बहुत अधिक असरदार साबित हो सकता है। यह आपकी ताकत बढ़ाने से लेकर आपको जल्दी रिकवर करने में मदद कर सकता है। सुनने में शायद आपको अजीब लग सकता है, लेकिन सच

यही है। मेडिटेशन को हम सभी सिर्फ रिलैक्सेशन के लिए नहीं है। बल्कि यह आपको बेहतर फोकस करने, स्ट्रेस को कंट्रोल में रखने, मेंटल स्ट्रेंथ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। तो चलिए आज इस लेख में पावरलिफ्टिंग में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर और एनीटाइम फिटनेस के फिटनेस ट्रेनर विनय माहौर आपको बता रहे हैं कि मेडिटेशन वर्कआउट परफार्मेंस को बेहतर बनाने में किस तरह मददगार है-

बढ़ता है फोकस

वर्कआउट परफार्मेंस को बेहतर बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि आपका पूरा ध्यान सिर्फ अपने वर्कआउट पर हो। इससे आपको माइंड और बॉडी का कनेक्शन बनाने में मदद मिलती है।

फ्रिज की यह सेटिंग पानी की बोतल जल्दी करेंगी ठंडा

कितनी बार ऐसा होता है कि ठंडा पानी चाहिए, लेकिन फ्रिज की बोतलें ठंडी ही नहीं होती हैं। ऐसे में चलिए आज एक ऐसी सेटिंग जान लीजिए, जो फ्रिज में रखी बोतलों को जल्दी ठंडा करने का काम करती है।

क्या होनी चाहिए फ्रिज की सेटिंग?: हर फ्रिज में टेंपरेचर को कंट्रोल करने के लिए नॉब या डिजिटल कंट्रोल होता है। गर्मियों में फ्रिज का तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच रखना सबसे अच्छा होता है। अगर आपको पानी की बोतल

बहुत जल्दी ठंडी करनी है, तो तापमान को सबसे कम सेटिंग पर सेट करें। बस इतना ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा ठंडक से कुछ चीजें जम भी सकती हैं, इसलिए कुछ घंटों बाद तापमान को न्यूट्रल करें।

पानी की बोतल को फ्रिज में सही जगह रखें: फ्रिज में हर कोने का टेंपरेचर एक जैसा नहीं होता। कुछ कोनों पर ज्यादा ठंडक होती है और कुछ जगह कम ठंडी होती हैं। पानी की बोतल को फ्रिज के पीछे वाले हिस्से में रखें, क्योंकि वहां कूलिंग कॉइल के पास ज्यादा ठंडक होती है। बोतल को शेल्फ पर रखने से भी वह जल्दी ठंडी होती है। वहीं, सबसे ज्यादा लोग बोतलों को फ्रिज के स्ट्रैड ड्रॉअर में रखते हैं। बार-बार फ्रिज खोलने से उस जगह का तापमान बढ़लता रहता है, इसलिए बोतलों को वहां न लिखें। अगर आपको बोतल तुरंत ठंडी करनी है, तो आप उसे डीप फ्रीजर में कुछ समय के लिए रख सकते हैं। बोतल को फ्रीजर में 10-15 मिनट के लिए रखें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

काम से ब्रेक लेंगी जेंडाया कहा- गायब हो जाऊंगी

पॉपुलर सीरीज 'यूफोरिया' के सीजन 3 के ट्रेलर रिलीज से पहले हॉलीवुड एक्ट्रेस जेंडाया ने बड़ा ऐलान किया है, जिससे सोशल मीडिया पर

खलबली मचा दी है। जानिए उन्होंने क्या कहा। हॉलीवुड एक्ट्रेस जेंडाया की पॉपुलर सीरीज 'यूफोरिया' के सीजन 3 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। साथ ही इसके बाद इस साल उनकी कई बड़ी फिल्में भी रिलीज होने वाली हैं। लेकिन इससे पहले उन्होंने बड़ा ऐलान किया है, जिसे सुनकर उनके फैंस थोड़े दुखी नजर आ रहे हैं। एक इंटरव्यू के दौरान, जहां वह अपने को-स्टार रॉबर्ट पैटिनसन के साथ बात कर रही थीं, जेंडाया ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मुझे बस उम्मीद है कि लोग मुझसे बोर नहीं होंगे।' उन्होंने अपने फैंस का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें हर तरह के सपोर्ट के लिए वह बेहद आभारी हैं।

जेंडाया ने आगे कहा, 'इस साल के बाद मैं थोड़ी देर के लिए गायब हो जाऊंगी। मुझे थोड़ा ब्रेक लेना ही पड़ेगा।' उनकी इस बात से साफ है कि वह लगातार काम के बाद खुद के लिए समय निकालना चाहती हैं। उनके इस बयान के बाद अब फैंस की ओर से रिएक्शन भी सामने आने लगे हैं। फैंस उनके इस स्टेटमेंट के बाद दुखी नजर आ रहे हैं। फिलहाल उनकी आने वाली सीरीज का ट्रेलर भी सामने आ गया है।

पॉपुलर सीरीज 'यूफोरिया' का सीजन 3 अब पहले से कहीं ज्यादा इंटेंस और डार्क होने वाला है। हाल ही में एचबीओ ने इसका नया ट्रेलर रिलीज किया है, जिसने फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। यह सीजन 12 अप्रैल से शुरू हुआ।

टॉलीवुड

विजय की फिल्म 'जन नायकन' की लीक पर विग्नेश शिवन ने जाहिर की निराशा

थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' के थिएटर में रिलीज होने से पहले लीक हो जाने पर कई सेलेब्स ने निराशा जाहिर की। इस बीच अब एक्टर-डायरेक्टर

विग्नेश शिवन ने भी रिएक्शन दिया है। उन्होंने इसे इंडस्ट्री के लिए संकट बताया है।

चर्चित डायरेक्टर विग्नेश शिवन ने थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' की पायरेसी पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने इसे फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक संकट बताया। विग्नेश ने अपने एडिटर का बचाव किया है। साथ ही फैंस से अपील की है कि वे यह फिल्म सिर्फ लीगल तरीके से ही देखें, ताकि फिल्म बनाने वालों को सपोर्ट मिल सके।

डायरेक्टर विग्नेश शिवन ने हाल ही में यह नाराजगी तब जाहिर की, जब उन्होंने किसी को अपने फोन पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का पायरेटेड वर्जन देखते हुए देखा। यह घटना तब हुई, जब विग्नेश भी इस दौरान मौजूद थे और मदुरै जा रहे थे। उन्होंने तुरंत रिएक्ट करते हुए उस शख्स के हाथ से फोन छीन लिया। विग्नेश शिवन ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं खुद को रोक नहीं पाया। सच कहूं तो, मेरा मन किया कि मैं उस फोन को वहीं, उसी वक्त तोड़ डालूं। हमारी कड़ी मेहनत के साथ ऐसा बर्ताव होते देखना बहुत दुख देता है'।

विग्नेश शिवन की निराशा सिर्फ उस पल भर की घटना की वजह से नहीं थी। उन्होंने इशारा किया कि यह लीक किसी ऐसे शख्स का जान-बूझकर किया गया काम था, जिसकी अंदर तक पहुंच थी। उन्होंने कहा, 'किसी ऐसे व्यक्ति ने यह जान-बूझकर किया, जिसकी अंदर तक पहुंच थी। हमारे लिए फिल्म भगवान जैसी होती है। हम अपनी पूरी जान लगाकर उसकी रक्षा करते हैं और उसका सम्मान करते हैं'।

भोजपुरी

'तुलसी विवाह' में शादी के बाद खुला बीमारी का सच तो ससुरालवालों ने छोड़ा

संजना पांडेय की नई भोजपुरी फिल्म 'तुलसी विवाह' के ट्रेलर ने रिलीज होते ही गर्दा उड़ा दिया है और यूट्यूब पर नंबर 4 पर ट्रेंड कर रहा है। कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसकी बीमारी का राज उसकी शादी के बाद खुलता है। ससुरालवाले ताना मारते हैं और छोड़ देते हैं, पर पति उसका सहारा बनता है।

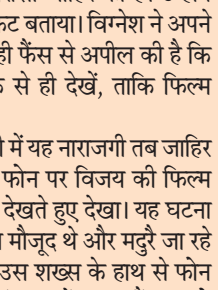

भोजपुरी फिल्मों की स्टार संजना पांडेय की नई फिल्म 'तुलसी विवाह' का ट्रेलर हाल ही रिलीज हुआ और चर्चा में आ गया। कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसकी शादी हो जाती है, पर शादी के बाद उसकी गंभीर बीमारी का राज सबके सामने आता है, तो पैरों तले जमीन खिसक जाती है। लड़की को कैंसर होने की बात सामने आती है, जिस पर ससुरालवाले उसे ताने मारते हैं और घर से निकाल देते हैं। पर पति उसका सहारा बनता है और कैंसर से जंग में उसके साथ मैदान में उतरता है। 'तुलसी विवाह' का ट्रेलर 28 मार्च को रिलीज हुआ था और अभी यूट्यूब पर चौथे नंबर पर ट्रेंड कर रहा है। फिल्म की कहानी एकदम झकझोरने वाली है और संजना पांडेय भी तुलसी के रोल में छा गई हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि तुलसी को देखने लड़के वाले आते हैं। तुलसी की दादी से लेकर मम्मी-पापा तक उसके गुण गिनाते हैं। रिश्ता तय हो जाता है और सास कहती है कि अब तुलसी विवाह होगा। शादी की तैयारियां शुरू होती है, लेकिन इसी बीच तुलसी की तबीयत बिगड़ जाती है। डॉक्टर उसके टेस्ट करते हैं, रिपोर्ट आती है, तो पता चलता है कि तुलसी को कैंसर है। तुलसी के चाचा-चाची बुरी तरह टूट जाते हैं। फिर तुलसी की चाची उसके चाचा को कसम देती है कि वह यह बात किसी को भी न बताएं।

क्रॉप टॉप्स

क्रॉप टॉप्स एक ऐसा फ़ैशन आइकन है, जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है। 1930 और 40 के दशक के स्टाइलिश टू-पीस सेट्स में अपनी शुरुआत के बाद से, कई अलग-अलग स्टाइल्स में विकसित हुए हैं। हर दशक ने इस ट्रेंड को एक नया अंदाज़ दिया है, जिससे क्रॉप टॉप्स एक ऐसा जीवंत और ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं जो हमेशा फ़ैशन में रहता है।

नेकलाइन के हिसाब से करें दुपट्टा स्टाइल, मिलेगा परफेक्ट लुक

अक्सर हम अपने इंडियन और वेस्टर्न आउटफिट के साथ दुपट्टे को स्टाइल करना पसंद करती हैं। यह आपके पूरे लुक को बदल सकता है या फिर उसे थोड़ा फीका भी कर सकता है। दुपट्टे की मदद से एक स्टनिंग लुक पाने के लिए जरूरी है कि आप उसे सही तरह से स्टाइल करें। यूं तो दुपट्टे को कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। लेकिन अगर आप अपने लुक को परफेक्ट टच देना चाहती हैं तो ऐसे में आपको अपने आउटफिट की नेकलाइन को ध्यान में रखकर उसे स्टाइल करना चाहिए। आउटफिट की नेकलाइन के अनुसार जब दुपट्टे को स्टाइल किया जाता है तो इससे आपको एक स्टेटमेंट लुक मिलता है। चाहे आप वी-नेक पहन रही हों, स्वीटहार्ट नेकलाइन या फिर हाई नेक, दुपट्टा या तो उसे उभार सकता है या फिर पूरी तरह छिपा सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि अपने आउटफिट की नेकलाइन के अनुसार आप दुपट्टे को किस तरह स्टाइल करें-

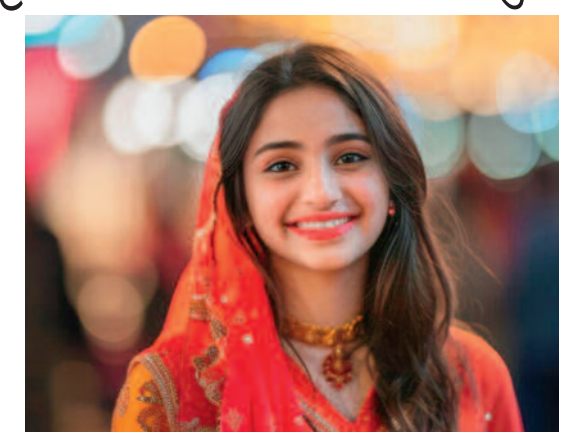

बोट नेक आउटफिट

बोट नेक यकीनन आपके आउटफिट को एक स्टनिंग लुक देती है। यह नेकलाइन चौड़ी और एलीगेंट होती है और इसे छिपाने की जरूरत नहीं होती। ऐसी नेकलाइन के साथ आप साइड ड्रेप, एल्बो टक दुपट्टा ड्रेप कर सकती है। साइड ड्रेप के लिए दुपट्टे को एक कंधे पर रख दें, और दूसरा सिरा पीछे छोड़ दें। यह बहुत ही लाइट और स्टाइलिश लगेगा। वहीं, एल्बो टक करने के लिए आप दुपट्टे को दोनों कंधों पर रखें और उसे कोहनियों पर टिकने दें। यह बहुत ही ग्रेसफुल लगेगा। कभी भी बोट नेक आउटफिट के साथ दुपट्टे को पहनते समय गले को पूरी तरह ना ढकें। इससे आपका लुक हैवी लग सकता है।

वी-नेक आउटफिट

वी-नेक आपको एक शार्प और लम्बा लुक देते हैं, इसलिए इस डिटेल को न छिपाएं। इसके साथ आप वन साइड लूज ड्रेप या पिन सेंटर ड्रेप लुक काफी अच्छा लगेगा। वन साइड लूज ड्रेप लुक के लिए इसे एक कंधे पर ड्रेप करें और फिर इसे ऐसे ही खुला रहने दें। वहीं, पिन सेंटर ड्रेप करने के लिए आप चेस्ट के मिडिल में पिन करें, ताकि यह वी को फ्रेम करें। कभी भी दुपट्टे की तरह अपनी गर्दन के चारों ओर ना लपेटें। यह वी लुक को छिपाएगा।

बेसिक कुर्ते से भी क्रिएट किया जा सकता है स्टाइल स्टेटमेंट

हम सभी अपने वार्डरोब में कई तरह के आउटफिट्स को जगह देते हैं। इन्हीं में से एक है सिंपल कुर्ता, जो पहनने में तो बहुत ज्यादा कंफर्टेबल होता है, लेकिन सिंपल होने की वजह से ऐसे ही अलमारी में पड़ा रहता है। हमें लगता है कि ये कुर्ता सिंपल होने की वजह से हमारे लुक को फीका बना सकता है। हालांकि, यहां आपको यह भी समझने की जरूरत है कि स्टाइलिश दिखने के लिए हर बार महंगे और नए आउटफिट खरीदने की जरूरत नहीं होती है, बल्कि आपको अपने हर आउटफिट को सही तरह से और अलग-अलग तरीके से स्टाइल करना आना चाहिए। बस थोड़ी सी क्रिएटिविटी, सही एक्सेसरीज़, लेयरिंग और कॉन्फिडेंस की मदद से आप अपने उसी सिंपल से कुर्ते को भी ट्रेंडी बना सकती हैं। आप इस कुर्ते को ब्रंच डेट से लेकर केजुअल्स, यहां तक कि किसी खास अवसर पर भी पहन सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही स्टाइलिंग आइडियाज के बारे में बाता रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने सिंपल कुर्ते में भी स्टेटमेंट लुक क्रिएट कर सकती हैं-

सही तरह के करें लेयरिंग

अगर आप एक सिंपल कुर्ते को एक स्टनिंग तरीके से स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में लेयरिंग करना यकीनन एक अच्छा विचार है। लेयरिंग करने के लिए आप एक लंबा प्रिंटेड श्रग, डेनिम जैकेट या स्लीवलेस एथनिक जैकेट पहनें। यह आपके लुक को अधिक स्टाइलिश बनाता है। इसी तरह, फ्यूजन ट्विस्ट के लिए कुर्ते के साथ ओवरसाइज्ड शर्ट को भी स्टाइल किया जा सकता है। सिंपल कुर्ते में स्टेटमेंट लुक क्रिएट करने के लिए आप बॉटम्स के साथ भी एक्सपेरिमेंटल हो सकती हैं। मसलन, आप सिंपल कुर्ती के साथ प्लेन लेगिंग की जगह धोती पैंट, प्रिंट वाले पलाज़ो या फ्लेयर्ड शरारा पहन सकती हैं।

घर में बालों को ऐसे दें कोलेजन ट्रीटमेंट, बढ़ने लगेगी लंबाई

लंबे बालों का शौक तो हर महिला को होता है ।अपनी खूबसूरती से वो कभी भी समझौता नहीं करती हैं। इसलिए सबसे ज्यादा वो अपनी त्वचा और बालों की देखभाल करती हैं। वैसे तो लंबे बालों का शौक हर महिला को होता है, मगर हर किसी के बाल जल्दी लंबे नहीं होते हैं। दरअसल, इसके पीछे कई वजह हैं। पहली तो यही है कि न तो आजकल का खानपान ऐसा है और न ही बालों की उचित देखभाल करने के लिए लोगों के पास समय है। ऐसे में बालों की ग्रोथ बहुत धीमी हो जाती है। वैसे बाजार में बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए बहुत सारे प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट्स हैं। बालों की ग्रोथ के लिए कोलेजन ट्रीटमेंट भी एक लोकप्रिय और प्रभावी तरीका है। आप घर पर भी बालों को कोलेजन ट्रीटमेंट दे सकती हैं।

कोलेजन ट्रीटमेंट के फायदे

कोलेजन बालों को जड़ से मजबूत करता है, जिससे बालों के झड़ने की समस्या कम हो जाती है। कोलेजन ट्रीटमेंट से बाल अधिक चमकदार हो जाते है, जिससे वे स्वस्थ और सुंदर दिखते हैं।कोलेजन ट्रीटमेंट बालों की ग्रोथ को प्रमोट करता है और नए बालों के विकास को बढ़ावा देता है। कोलेजन ट्रीटमेंट से रूखे और क्षतिग्रस्त बालों को रिपेयर किया जा सकता है।

लहसुन से कोलेजन ट्रीटमेंट

लहसुन का हेयर पैक बालों की ग्रोथ से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में बहुत उपयोगी हो सकता है। यह बालों के झड़ने को कम करने, बालों को मजबूत बनाने और डैंड्रफ को कम करने में मदद करता है। लहसुन की कलियों को छीलकर इन्हें एक मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें।

गर्मियों में चेहरे पर इन किचन इंग्रीडिएंट्स को लगाने से बचें, स्किन को हो सकता है

गर्मी में हम सभी की स्किन अतिरिक्त केयर मांगती है। इस मौसम में तेज धूप, टैनिंग और पसीना आपकी स्किन को परेशान कर सकता है। ऐसे में अपनी स्किन की देखभाल करने के लिए हम कुछ घरेलू उपाय अपनाते हैं और इसके लिए कुछ किचन इंग्रीडिएंट का सहारा लेते हैं।

शहद से लेकर नींबू या टमाटर जैसी चीजों को अपनी स्किन की केयर का हिस्सा बनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि हर किचन इंग्रीडिएंट स्किन के लिए सुरक्षित नहीं होता है।

गर्मी पहले से ही आपकी स्किन के लिए कई तरह की समस्याएं लेकर आती है। ऐसे में अगर आप गलत इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपकी स्किन बद से बदतर हो सकती है। इससे आपकी स्किन में जलन से लेकर रैशेज और पिगमेंटेशन की शिकायत हो सकती है।

प्याज या लहसुन का रस

अक्सर लोग पिंपल्स या दाग-धब्बों से निजात पाने के लिए प्याज़ या लहसुन के रस का इस्तेमाल करते हैं।

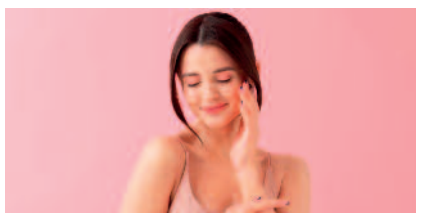

लेकिन गर्मी के मौसम में इसे लगाने से बचना चाहिए। दरअसल, इस मौसम में स्किन को जलन या खुजली की शिकायत हो सकती है।

इतना ही नहीं, यह पसीने और तेज़ धूप के साथ रिएक्ट कर सकता है, जिससे रैशेज या एलर्जी हो सकती है। चेहरे की डेलीकेट स्किन के लिए ये नुकसानदायक साबित हो सकती है।

नमकः नमक को भी हम अपने ब्यूटी रूटभ्न में शामिल करना पसंद करते हैं। यह बॉडी स्क्रब्स में ठीक है, लेकिन चेहरे के लिए इसे इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। नमक बहुत रफ होता है और स्किन पर छोटे-छोटे कट्स कर सकता है। साथ ही, पसीने के साथ मिलकर खुजली और ड्रायनेस बढ़ा सकता है।

कार्नर न्यूज

ड्रेसिंग की गलतियां सुधारना है समझदारी की बात

ड्रेसिंग की इन गलतियों से आपकी हाइट दिखती है कम, इन्हें पहचान कर सुधार सकते हैं स्टाइल भी

हाइट कम होना कोई खराब बात नहीं है। लेकिन गलती करके ऐसी ड्रेसिंग करना जिससे हाइट कुछ ज्यादा ही कम लगे ये भी सही नहीं है। इसलिए जरूरी है कि आप अपनी ड्रेसिंग में वो खास गलतियां बाहर कर दें जो आपको जरूरत से ज्यादा छोटा दिखाती हैं। इन गलतियों को पहचान कर अपनी हाइट को ज्यादा दिखाया जा सकता है। इन गलतियों को पहचान लीजिए ताकि आपको अपना बेस्ट लुक मिल सके। चलिए इन गलतियों को पहचान लीजिए-

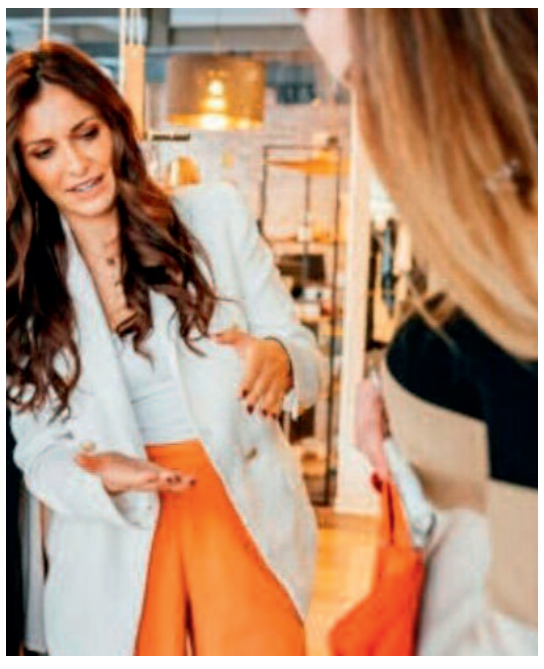

ओवरसाइज़ जैकेट

आपको हाइट को ज्यादा महसूस कराना हो तो ओवरसाइज़ जैकेट या दूसरे बैगी कपड़ों से भी दूरी बनानी होगी। बैगी और ढीले कपड़े कम हाइट का इल्यूजन देते हैं। इसमें पैर छोटे महसूस होते हैं।

जींस की लंबाई

जींस की लंबाई कितनी है? हाइट को ठीक ठाक दिखाने के लिए ये जानना जरूरी है। अगर जींस के नीचे कुछ हिस्से की यूंहीं लेयर बन रही हैं तो आपको इसे तुरंत कटा लेना चाहिए। कटा नहीं सकते हैं तो इन्हें कम से कम एंकल तक फोल्ड कर लें। इसकी फिटिंग पर भी ध्यान दें।

हील वाले जूते

अगर आपकी स्टाइल में हील वाले जूते शामिल है तो आपको इन्हें ना कर देना चाहिए। इसके साथ हैवी सोल वाले जूते भी नहीं चलेंगे। आप सोच रहे होंगे हील वाले जूतों में क्या दिक्कत है? दिक्कत है। दरअसल इसमें आपके पैर छोटे दिखते हैं।

भारी एसेसरीज

अगर आपको भारी एसेसरीज जैसे टाई और घड़ी पहनना पसंद है तो इनको भी लुक से निकाल दीजिए। आपको पतली टाई पहननी होगी, इसके साथ आपको पतले स्ट्रेप वाली घड़ी भी पहननी होगी।

गलत लेयरिंग

लेयरिंग करना फैशन का हिस्सा है लेकिन इसे सही तरीके से किया गया हो तब ही अच्छा रहेगा। अगर लेयरिंग का हर कपडा अलग रंग का है तो मामला सही नहीं बैठेगा। लेयरिंग को एक ही कलर पैलेट में पहनें तो अच्छा रहेगा। इसके साथ प्रिंट न चुनें और सॉलिड रंगों का चुनाव करें।